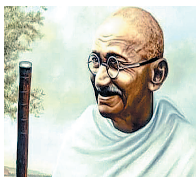
महात्मा गांधी जयंती आज

दैनिक

भास्कर दूत

हर ख़बर पर नज़र

दिल में छत्तीसगढ़

रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित

डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24

web- www. bhaskardoot.com

-: सुविचार :-

आपके शब्द ही आपकी ताकत है इसलिए सोच समझकर बोलिये

◆ वर्ष-11 ◆ अंक - 262 रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित ◆ RNI-CHHHIN/2014/55697 ◆ रायपुर, बुधवार 02 अक्टूबर 2024 ◆ पृष्ठ-8 ◆ मूल्य - 02 रुपये

इजरायली सेना लेबनान में घुसी, हिजबुल्लाह के ठिकानों पर ग्राउंड ऑपरेशन शुरू

सुरंगों में घुसकर ले रही तलाशी

तेल अवीव। हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मार गिराने के बाद इजरायल ने लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इजरायल की सेना लेबनान में घुस गई है। इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। साथ ही सुरंगों में घुसकर हिज्बुल्लाह के लड़ाकों को तलाश रहे हैं। आईडीएफ ने कहा कि इजरायली वायु सेना और आईडीएफ आर्टिलरी क्षेत्र में सैन्य टारगेट्स पर सटीक हमलों के साथ ग्राउंड फोर्स को सपोर्ट कर रहे हैं। इन ऑपरेशन को पॉलिटिकल फील्ड के फैसले के अनुसार मंजूरी दी गई और उन्हें अंजाम दिया गया।

इजरायल की सेना की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक सोमवार-मंगलवार की रात में आईडीएफ लेबनान के अंदर घुस गई है। जमीनी हमला उत्तरी सीमा के निकट स्थित लेबनानी गांवों पर किया गया है। इजरायल की तरफ से कहा गया है कि हिजबुल्लाह आतंकी इनका इस्तेमाल उत्तरी इजरायल में हमला करने के लिए करते हैं। लेबनान में शुरू हुआ जमीनी अभियान सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर किए जा रहे हैं।

इजरायल डिफेंस फोर्स ने भारतीय समयानुसार 1 अक्टूबर को सुबह 4 बजे सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि- कुछ घंटे पहले, आईडीएफ ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादी ठिकानों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमित, स्थानीय और लक्षित जमीनी हमले शुरू किए। ये लक्ष्य सीमा के नजदीक गांवों में स्थित हैं और उत्तरी इज़राइल में इजरायली समुदायों के लिए तत्काल खतरा पैदा करते हैं।

इजरायली टैंकों को देख पीछे हटी लेबनानी सेना

लेबनान की उत्तरी सीमा के कई गावों पर इजराइल ने धावा बोल दिया है। इन गावों में इजरायली टैंक घुस गए हैं। पहले से ग्राउंड अटैक की आशंका को देखते हुए लेबनानी सेना पीछे हट गई थी। जानकारी के मुताबिक लेबनानी सेना ने सोमवार रात 9 बजे के आसपास ही दक्षिणी लेबनान में अपने कई ठिकानों से पीछे हटना शुरू कर दिया था। वहीं ग्राउंड अटैक शुरू होने से पहले सोमवार रात को आईडीएफ प्रवक्ता अवीचाई अद्राई की तरफ से अरबी भाषा में बयान जारी करके लोगों को स्थान खाली करने की चेतावनी दी गई थी।

इजरायल द्वारा दक्षिणी लेबनान में किये जा रहे जमीनी हमलों पर अमेरिकी ने भी अपनी सहमति दे दी है। अअमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि आईडीएफ इजरायल बॉर्डर के पास लेबनान में हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए सीमित जमीनी अभियान चला रहा है। अमेरिका शुरुआत से इजरायल के साथ खड़ा रहा है और अब भी पूरी मदद कर रहा है।

इससे पहले हिजबुल्लाह नेता नसरल्लाह पर किए गए हमले को लेकर अमेरिका ने कहा था कि उसे इस हमले के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

समाचार शीर्ष

अभिनेता गोविंदा के पैर में लगी गोली

रिवॉल्वर को केस में रखते समय हुआ हादसा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा के पैर में गोली लग गई है। खबरों की मानें तो घटना सुबह करीब 5 बजे की है। गोविंदा सुबह कोलकाता जाने के लिए निकल रहे थे, तभी ये हादसा हो गया। कहा जा रहा है कि वह अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर साफ कर रहे थे, तभी मिस फायर हो गया। अब एक्टर को क्रिटिकल केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभिनेता की हालत अभी स्थिर बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक गोविंदा को आईसीयू में रखा गया है। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने बताया कि अभिनेता और शिवसेना नेता गोविंदा कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे थे।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक जारी, फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। बुलडोजर एक्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट की रोक जारी रहेगी। मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि फैसला आने तक बुलडोजर एक्शन पर रोक जारी रहेगी।

इससे पहले सुनवाई के दौरान स्त्र तुषार मेहता ने उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान सरकार का पक्ष रखा। साथ ही कहा कि एक समुदाय विशेष के खिलाफ बुलडोजर एक्शन किए जाने के आरोप लगे हैं। मुझे यही बात परेशान कर रही है। इस पर जस्टिस गवई ने कहा कि हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं। हम जो भी निर्धारित कर रहे हैं वह पूरे देश के लिए होगा। चाहे वह मंदिर हो, दरगाह हो, उसे हटाना ही सही होगा, क्योंकि सार्वजनिक सुरक्षा सबसे पहले है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और सड़क, जल निकायों या रेल पटरियों पर अतिक्रमण करने वाले किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना चाहिए। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और बुलडोजर कार्रवाई और अतिक्रमण विरोधी अभियान के लिए उसके निर्देश सभी नागरिकों के लिए होंगे।

सुनवाई के दौरान यूपी सरकार के लिए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता पहुंचे। वो मध्य प्रदेश और राजस्थान की तरफ भी पेश हुए हैं। उन्होंने कहा, मेरा सुझाव है कि रजिस्टर्ड डाक से नोटिस भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए। 10 दिन का समय देना चाहिए। मैं कुछ तथ्य रखना चाहता हूं। यहां ऐसी छवि बनाई जा रही है, जैसे एक समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है।

हता की दलील पर जस्टिस गवई ने कहा कि हम एक धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था में हैं। अवैध निर्माण हिंदू का हो या मुस्लिम काज कार्रवाई होनी चाहिए। इस पर मेहता ने कहा कि बिल्कुल, यही होता है। इसके बाद जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि अगर 2 अवैध ढांचे हैं और आप किसी अपराध के आरोप को आधार बना कर उनमें से सिर्फ 1 को गिराते हैं, तो सवाल उठेंगे ही।

बता दें कि इससे पहले 17 सितंबर को कोर्ट ने 1 अक्टूबर तक के लिए बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी थी।

बाबा राम रहीम को मिली 20 दिन की पैरोल

चंडीगढ़। डेरा सच्चा सौदा संस्थापक राम रहीम को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी राहत मिली है. राम रहीम ने कुछ दिन पहले 20 दिन की पैरोल मांगी थी, जिसे मंजूरी मिली है. बताया जा रहा है कि बाबा राम रहीम को हरियाणा के सिरसा, अंबाला, कुरुक्षेत्र और हिसार जिलों में काफी प्रभाव है, इसलिए हरियाणा चुनाव आयोग ने उनको 20 दिनों की राहत दी है. ध्यान दें कि राम रहीम, जो हरियाणा चुनाव के बीच यौन शोषण और हत्या मामले में 20 साल की सजा काट रहे हैं, हाल ही में सरकार से इमरजेंसी परोल की मांग की है. बाबा राम रहीम अब तक 20 साल की सजा में 7 साल काट चुका है, जिसके साथ ही वह इन 7 सालों में 10 बार पैरोल पर बाहर आ चुका है, जिसके पीछे उसका चुनाव से संबंध बताया जा रहा है।

स्कूल बस में आग लगने से 25 छात्रों की मौत

5 टीचर्स समेत 44 लोग थे सवार

बैंकांक। थाइलैंड में एक स्कूल बस में आग लगने से 25 छात्रों की मौत हो गई है; बस में 44 बच्चे थे, जिनमें से 16 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. आग का कारण बस का टायर फटना था. रॉयटर्स के मुताबिक, बस का टायर फटने से आग लगी, बैंकॉक के खू खोट इलाके में दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुआ. बस में 3 से 15 साल की उम्र के 3 बच्चे और 5 टीचर्स थे.

थाइलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा ने हादसे में मरने वाले बच्चों के परिवारों के प्रति शोक व्यक्त किया है और ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर को घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लेने का आदेश दिया है. देश के गृह मंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने कहा कि बचावकर्मियों के पहुंचने के बाद भी बस इतनी गर्म थी कि जाना बहुत मुश्किल था, इसलिए शव बस में ही थे और मरने वालों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है. थाइलैंड के परिवहन मंत्री ने बताया कि बस कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस से चलती थी. यह एक बहुत दुखद घटना है. मैंने मंत्रालय से कहा है कि इस तरह के पैसेंजर व्हीकल्स के लिए CNG जैसे गैस का उपयोग नहीं करना चाहिए और कोई दूसरा उपाय खोजना चाहिए.

मुख्यमंत्री के निर्देश

यूपीएससी तैयारी के लिए 135 सीटों की वृद्धि को वित्त से मंजूरी

भास्कर दूत

रायपुर। दिल्ली में रहकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने के इच्छुक छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए खुशखबरी है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर वित्त विभाग ने युवा उत्थान योजना के तहत ट्राइबल यूथ हॉस्टल में 135 सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है.

युवा उत्थान योजना के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिभाशाली युवाओं को दिल्ली में रहकर नि:शुल्क यूपीएससी कोचिंग की सुविधा दी जाती है. युवाओं के रहने, खाने और पढ़ाई का खर्च भी सरकार उठाती है. पूर्व में ट्राइबल यूथ हॉस्टल में 50 नए और 15 रिपीटर बैच को यह सुविधा मिल रही थी. अब इस योजना में 135 सीटों की वृद्धि के बाद कुल 200 युवाओं को आवासीय सुविधा मिलेगी. ट्रायबल यूथ हॉस्टल के अलावा अभ्यर्थी अपनी इच्छानुसार कोचिंग संस्थाओं के निकट आवासीय व्यवस्था भी कर सकेंगे. कोचिंग शुल्क के तहत अंग्रेजी माध्यम के लिए 2 लाख रुपये और हिन्दी माध्यम के लिए 1.5 लाख रुपये निर्धारित है. इसके साथ ही आवास, मेस और अन्य सुविधाओं के लिए प्रति विद्यार्थी प्रति माह 12 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी. वर्तमान में ट्रायबल यूथ हॉस्टल में अधिकतम 65 अभ्यर्थियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध थी. अब इस पहल के साथ छत्तीसगढ़ के युवा सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में अधिक समर्थ बन सकेंगे.

अमित जोगी ने किया कांग्रेस की न्याय यात्रा का स्वागत, कहा- मौका मिला तो होंगे शामिल

रायपुर। कांग्रेस की न्याय यात्रा का छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के प्रमुख अमित जोगी ने स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि बलौदा बाजार में सतनामी समाज के साथ अन्याय हुआ है। अगर उन्हें मौका मिला तो वे कांग्रेस की न्याय यात्रा में जरूर शामिल होंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच नदियों के जल विवाद को जल्द सुलझाने की अपील सरकार से की है। दरअसल बस्तर दौरे पर पहुंचे छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के सुप्रीमो अमित जोगी ने मंगलवार को सर्किट हाउस में पत्रकारवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी और इंद्रावती नदी के विवाद को जल्द सुलझाने की अपील सरकार से की। उन्होंने कहा लंबे अरसे के बाद दोनों ही राज्यों में भाजपा की सरकारें है।

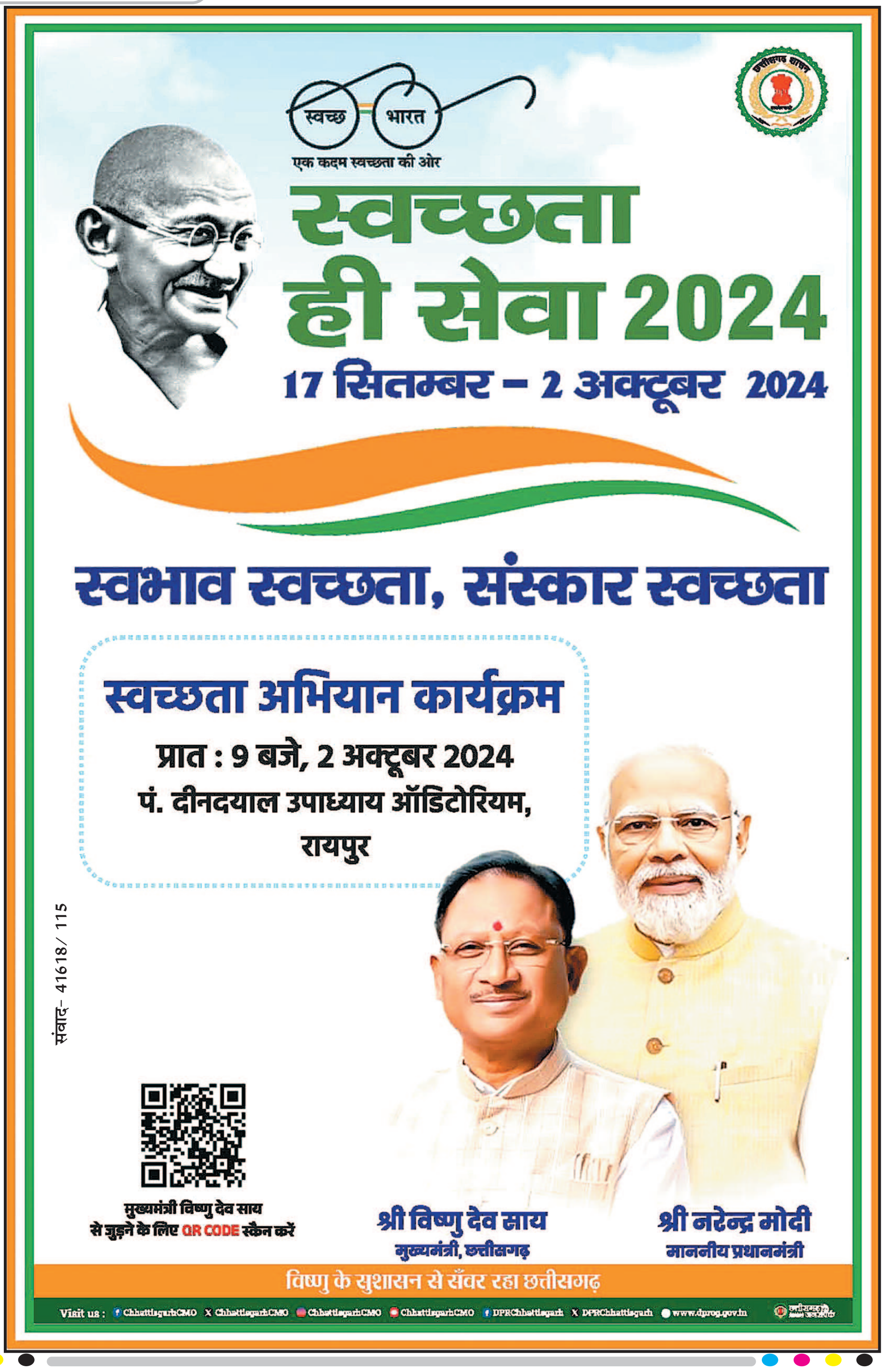

भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती है

भगवान बिरसा मुण्डा की स्मृति में छत्तीसगढ़ के हर जिले में 15 नवंबर को मनाया जाएगा 'जनजातीय गौरव दिवस'

भास्कर दूत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ के हर जिले में 'जनजातीय गौरव दिवस' मनाने की घोषणा की है. इस वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती है. छत्तीसगढ़ में भी इसे भव्य रूप से मनाया जाएगा. मुख्यमंत्री साय सोमवार को राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में 'जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता वन मंत्री केदार कश्यप ने की. विधायक भईयालाल राजवाड़े विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे. मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है. यह सोचकर गर्व होता है कि अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म जनजातीय समाज में हुआ. अपने देश के लिए संघर्ष करने की परम्परा जनजातीय समाज में प्रारंभ से रही है. शहीद वीर नारायण सिंह, गैंदसिंह, गुण्डाधूर जैसे अनेक महान नायकों ने अपना बलिदान दिया. विष्णु देव साय ने कहा कि पूरी दुनिया आज जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है. ऐसे में प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है. जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के संरक्षण का मार्ग दिखाया है, जो आज भी अनुकरणीय है. जनजातीय समाज में प्रकृति की पूजा की जाती है. पूर्वी छत्तीसगढ़ में साल के पेड़ में जब फूल आते है तो सरहुल पर्व मनाया जाता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय संस्कृति में गहरी आध्यात्मिकता छिपी है. प्रकृति को सहेजकर, प्रकृति के अनुकूल जीवन जीना. बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष में किसी तरह का भेदभाव नहीं. सब बराबर हैं और प्रकृति का उपहार सबके लिए है. ये बातें हमें इस समाज से सीखने की आवश्यकता है. वास्तव में जीवन जीने की कला जनजातीय समाज से सीखनी चाहिए. जनजातीय समाज में दहेज जैसी सामाजिक बुराई का अस्तित्व नहीं है.

महिलाओं और बालिकाओं में कुपोषण से बचाव के लिए जागरूकता आवश्यक : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय रायपुर में दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन

भास्कर दूत

रायपुर। केंद्रीय संचार ब्यूरो, प्रादेशिक कार्यालय रायपुर द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय के सभागृह में दो दिवसीय मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल थे। कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा गणेश–सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ। इसके बाद क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी श्री शैलेश फाये ने मंच पर उपस्थित अतिथियों का पौधे देकर स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सी. एल. देवांगन, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. विनोद जोशी, आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. दीप्ति झा और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शिखा उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि श्री बृजमोहन अग्रवाल ने राष्ट्रीय पोषण माह पर आयोजित मल्टीमीडिया चित्र प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं और बालिकाओं को कुपोषण से बचाने के लिए उन्हें शिक्षित और सुपोषित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि वे अपने भोजन में हरी सब्जियों को अधिक शामिल करें और फास्ट फूड व तले हुए खाद्य पदार्थों से परहेज करें। इसके साथ ही उन्होंने छात्राओं और शिक्षकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलवाई। इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने महाविद्यालय को 50 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान चित्रकला, रंगोली और निबंध प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने एक आकर्षक स्टाल लगाया, जहां विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती यमुनेश पांडे ने सुपोषण और पोषण के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर जानकारी दी।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने महाभारत के चीरहरण प्रसंग पर आधारित नृत्य नाटिका की शानदार प्रस्तुति दी।

पोषण पर आधारित प्रश्न मंच और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। अंत में क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी ने अतिथियों को विभागीय स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। एक अक्टूबर को भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ कार्यक्रम का समापन होगा, जिसके बाद पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

हिजबुल्ला चीफ नसरल्लाह की मौत पर छत्तीसगढ़ में प्रदर्शन, रायपुर में शिया समुदाय ने निकाला कैंडल मार्च

भास्कर दूत

रायपुर। राजधानी रायपुर में हिजबुल्ला चीफ नसरल्लाह की मौत पर शिया समुदाय ने कैंडल मार्च निकाल कर मातम मनाया। शिया समुदाय के लोगों ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन करने के साथ मातम में अपनी व्यापारिक प्रतिष्ठानें बंद रखीं।

इजराइली हमले में नसरल्लाह की मौत पर शिया समुदाय से जुड़े लोगों ने इजराइल, अमेरिका और सऊदी अरब के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कैंडल मार्च का आयोजन किया। कैंडल मार्च रात नौ बजे मोमिनपारा हैदरी मस्जिद से हुसैनी चौक तक निकाला गया। कैंडल मार्च में बच्चे से लेकर बुजुर्ग अपनी हाथों में हिजबुल्ला चीफ नसरल्लाह के फोटो हाथ में रखे थे।

इस दौरान मार्च में शामिल लोगों ने मांग की इन देशों की नीतियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और शिया समुदाय के अधिकारों की रक्षा की जाए। नसरल्लाह की मौत को लेकर आक्रोश व्यक्त करते हुए, लोगों ने कहा कि यह एक भयानक घटना है, जिसका असर दुनिया भर में शांति पर पड़ सकता है।

कैंडल मार्च निकालने के बाद समाज से जुड़े लोगों ने मस्जिद में मजलिस (शोक) का आयोजन किया। समाज के लोगों ने मोमिनपारा में नसरल्लाह का एक बड़े पोस्टर भी लगाया। कैंडल मार्च में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। समाज से जुड़े लोगों ने अमन कायम करने जल्द से जल्द युद्ध रोकने की बात कही।

रायपुर सेंट्रल जेल में बदमाशों के बीच हुई भिडंत

कैदी पर चाकू से हमला कर किया गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में भर्ती

भास्कर दूत

रायपुर। सेंट्रल जेल में बदमाशों के बीच वर्चस्व की लड़ाई ने एक बार फिर खतरनाक मोड़ ले लिया है। ताजा मामला तब उजागर हुआ जब एक घायल कैदी को इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल लाया गया था। जेल में एक पखवाड़ा पूर्व चाकूबाजी की घटना का बदला लेने एक बदमाश ने इस कैदी पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चाकूबाजी की घटना 27 सितंबर को हुई। हमला करने वाला मौदहापारा थाना क्षेत्र का बदमाश आसिफ उर्फ बुट्टी है, जिसने तेलीबांधा थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर सैयद नदीम पर चाकू से हमला किया। बता दें कि नदीम पिछले 5 साल से दीपक नायडू की हत्या के आरोप में जेल में बंद है। इस हमले में नदीम के गाल, चेहरे और सिर पर चोट आई है।

बदमाशों ने जेल में खाना खाने के दौरान चम्मच को चुराकर उसे घिसकर चाकू में बदल दिया और इसी से एक–दूसरे पर हमला किया। यह चाकूबाजी बैरक में दबदबा कायम करने के लिए की गई थी। बताया जा रहा है कि आसिफ ने मौदहापारा थाना क्षेत्र के बदमाश शेख साहिल पर 12 जून को किए गए हमले का बदला लेने के लिए नदीम पर हमला किया। हमले के समय सभी बदमाश एक ही बैरक में बंद थे। यह घटना जेल के छोटी गोल के बैरक में हुई है। यदि घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज नहीं होती है, तो इससे बदमाशों का मनोबल और बढ़ सकता है। घटना के बाद, जेल प्रशासन ने सभी आरोपियों को अलग–अलग बैरकों में स्थानांतरित कर दिया है।

रेडक्रॉस सोसायटी की प्रबंध समिति के गठन की प्रक्रिया शुरू

संरक्षक, उपसंरक्षक एवं आजीवन सदस्यों की सूची का प्रकाशन

भास्कर दूत

रायपुर । भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायपुर में प्रबंध समिति के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सोसायटी के सी.ई.ओ. सह जनरल सेक्रेटरी ने प्रबंध समिति के गठन की प्रक्रिया हेतु भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा रायपुर के संरक्षक, उपसंरक्षक एवं आजीवन सदस्यों की अनंतिम सूची का प्रकाशन कार्यालय भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, कलेक्ट्रेट परिसर, रायपुर एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायपुर के सूचना पटल पर कर दिया है। यदि किसी भी सदस्य को जारी सूची पर कोई आपत्ति हो तो 04 अक्टूबर 2024 तक समय सायं 4 बजे तक अपना दावा आपत्ति संबंधी आवेदन मय सदस्यता रसीद सहित जमा कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी। 04 अक्टूबर 2024 के पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण कर संरक्षक, उपसंरक्षक एवं आजीवन सदस्यों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जाएगा, जिसके आधार पर जिला शाखा रायपुर के प्रबंध समिति का गठन किया जाएगा।

सार समाचार

छत्तीसगढ़ में अब तक 1165.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1165.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 01 अक्टूबर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2377.7 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 606.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा जिले में 634.5 मिमी, सूरजपुर में 1160.8 मिमी, बलरामपुर में 1731.2 मिमी, जशपुर में 1064.1 मिमी, कोरिया में 1127.4 मिमी, मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर में 1088.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 954.6 मिमी, बलौदाबाजार में 1188.3 मिमी, गरियाबंद में 1099.9 मिमी, महासमुंद में 969.6 मिमी, धमतरी में 1035.5 मिमी, बिलासपुर में 991.2 मिमी, मुंगेली में 1115.5 मिमी, रायगढ़ में 1109.0 मिमी, सारंगढ़–बिलाईगढ़ में 734.4 मिमी, जांजगीर–चांपा में 1223.4 मिमी, सक्ती 1062.0 मिमी, कोरबा में 1418.2 मिमी, गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही में 1207.5 मिमी, दुर्ग में 655.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 922.6 मिमी, राजनांदगांव में 1128.1 मिमी, मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी में 1239.5 मिमी, खैरागढ़–छुईखदान–गंडई में 856.6 मिमी, बालोद में 1199.6 मिमी, बस्तर में 1268.9 मिमी, कोण्डागांव में 1206.0 मिमी, कांकेर में 1422.5 मिमी, नारायणपुर में 1463.4 मिमी, दंतेवाड़ा में 1520.6 मिमी और सुकमा जिले में 1673.3 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

समस्याओं को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

भास्कर दूत

रायपुर । कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज जनदर्शन के माध्यम से कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आवेदन प्राप्त कर आम नागरिकों की समस्याएं त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में काली नगर निवासी श्री रिजवान खान ने पटवारी द्वारा ऑनलाइन भुइयां अभिलेख में नाम दर्ज करने, पंडरी निवासी श्री शाहजहां खान ने पटवारी द्वारा ऑनलाइन भुइंया अभिलेख में नाम दर्ज करने, रामकुमार ने छत्तीसगढ़ राजस्व संहिता के तहत कब्जा दिलाने, अश्वनी नगर निवासी श्री परसराम चिमनानी ने नाली के उपर संचालित अवैध गुमटी हटाने के लिए समेत अनेकों आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने वाले रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर

छत्तीसगढ़ से चलेंगी छह स्पेशल ट्रेनें

भास्कर दूत

रायपुर। दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए रेलवे ने इस वर्ष 519 स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का फैसला लिया है। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन एक अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। हर साल त्योहारों के अवसर पर रेलवे प्रशासन स्पेशल ट्रेनों का संचालन करता है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में भी दुर्गा पूजा, दीपावली छठ के अवसर पर छह स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। जिनमें दो फेरे के लिए गोंदिया–सांतरागाछी दुर्गा पूजा स्पेशल गोंदिया से चार व नौ अक्टूबर को दौड़ेगी।

इसी तरह से सांतरागाछी–गोंदिया दुर्गा पूजा स्पेशल सांतरागाछी से पांच व 10 अक्टूबर, दो फेरे के लिए गोंदिया–छपरा छठ पूजा स्पेशल गोंदिया से तीन व चार नवंबर, दो फेरे के लिए छपरा–गोंदिया छठ पूजा स्पेशल छपरा से चार व पांच नवंबर, गोंदिया–पटना छठ पूजा स्पेशल तीन व चार नवंबर, पटना–गोंदिया छठ पूजा स्पेशल पटना से चार व पांच नवंबर को दौड़ेगी।

6000 फेरे लगाएगी स्पेशल ट्रेन

रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्वों के दौरान लाखों की संख्या में यात्री ट्रेनों में सफर करते हैं। यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुगम एवं आरामदायक यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराने रेलवे ने इस वर्ष भी विशेष ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की है। दो महीने की अवधि के दौरान ये स्पेशल ट्रेनें लगभग 6000 फेरे लगाएगी और बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी।

उत्तरप्रदेश, बिहार के लोगों को मिलेगी बड़ी सुविधा

पिछले वर्ष भी भारतीय रेलवे ने बड़ी संख्या में त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया था और इन ट्रेनों ने कुल 4,429 फेरे लगाए थे, जिनके माध्यम से लाखों की संख्या में यात्रियों को आरामदायक यात्रा की सुविधा प्राप्त हुई थी। जाहिर है कि हर साल दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर प्रस्थान करते हैं।

उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए ये त्योहार न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि परिवारों से मिलने का भी एक अहम अवसर होते हैं। हर साल त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ की वजह से अधिकांश ट्रेनों में दो–तीन महीने पहले से ही टिकट वेटिंग लिस्ट में चली जाती हैं। इसी को देखते हुए रेलवे ने इस वर्ष भी त्योहारों के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन करने का फैसला लिया है।

रायपुर में PRSU के स्टूडेंट्स का अर्धनग्न प्रदर्शन, कुलसचिव और वार्डन पर गंभीर आरोप

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विवि के हॉस्टल के छात्र जातिगत भेदभाव करने पर कैंपस में आधीरात अर्धनग्न प्रदर्शन किया। छात्रों ने कहा कि उन्हें प्रताड़ित किया गया, निजी कार्य कराया जा रहा है।

छात्रों का कहना है कि कुलसचिव ने धमकाया है। वार्डन ने प्रताड़ित किया। मामला रविवि के शहीद चंद्रशेखर आजाद छात्रावास का है। इस दौरान छात्रों ने हॉस्टल में रहने के बजाय पं. रविशंकर शुक्ल की प्रतिमा के नीचे ही पूरी रात बिताई। वार्डन कमलेश शुक्ला पर स्नढ्ढक्र और कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं।आजाद छात्रावास के छात्रों ने रविवि की प्रिवेंस कमेटी के अध्यक्ष, सांसद और मंत्री सहित अन्य लोगों को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि छात्रावास अधीक्षक और बायोटेक्निक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमलेश शुक्ला छात्रों को प्रताड़ित किया है। छात्रों का आरोप है कि कुलसचिव शैलेंद्र पटेल और अधीक्षक कमलेश शुक्ला की दोस्ती है। इसी का हवाला देकर वार्डन धमकाता है। इसके अलावा पत्र में लिखा गया है कि छात्रावास में विराजित गणेश भगवान की संध्या आरती के बाद 9 सितंबर को कुलसचिव ने भी धमकाया। उनके जाने के बाद अधीक्षक ने पावर देखे जाने की बात कहकर ताना मारा गया।

छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा राशन, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर राशन दुकान संचालक

भास्कर दूत

रायपुर । शासकीय राशन दुकानों में काम करने वाले सेल्समैन अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर आज से हड़ताल पर है. राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के बैनर तले नया रायपुर के तूताधरना स्थल पर प्रदेश व्यापी हड़ताल करेंगे. 2 अक्टूबर से सभी सेल्समैन ब्लॉक जिला और तहसील स्तर पर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर रहेंगे.

राशन दुकानदार के आंदोलन में चले जाने से राशन दुकानों में सभी वर्गों को मिलने वाले राशन का काम पूरी तरह से प्रभावित हो जाएगा. सोमवार शाम को राजधानी रायपुर में सेल्समैन संघ के पदाधिकारियों ने खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल से भी मुलाकात की लेकिन उनकी बात नहीं बनी. जिसके बाद राशन दुकान संचालकों ने प्रदेशस्तरीय एक दिवसीय हड़ताल पर रहने का फैसला किया.

राशन दुकान संचालकों की 6 मांग- राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ छत्तीसगढ़ के महासचिव विजय धृतलहरे ने बताया की राशन दुकानों में काम करने वाले विक्रेता अपनी 6 सूत्रीय मांग को लेकर हड़ताल कर रहे हैं.

महासचिव ने यह भी बताया कि सोमवार शाम को रायपुर में खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल से उनकी मुलाकात हुई. उन्होंने पांच मांगों को संज्ञान में लिया लेकिन 2 मांग के संबंध में वित्त विभाग से चर्चा करने के बाद अवगत कराने की बात कही है. उन 2 मांगों के पूरा होने तक राशन दुकानदार हड़ताल पर रहेंगे.

2 अक्टूबर से राशन दुकान संचालकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल- महासचिव विजय धृतलहरे ने आगे बताया राज्य स्तर पर मंगलवार को हड़ताल के बाद प्रदेश के सभी जिला तहसील और ब्लॉक मुख्यालय में 2 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे. इसके साथ ही उन्होंने बताया कि राशन से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक मशीन ई पाश मशीन को 5 अक्टूबर को सभी राशन दुकानों के सेल्समैन एसडीएम ऑफिस में जमा करा देंगे.

राशन दुकान संचालकों की मांगे-

छत्तीसगढ़ राज्य के सभी दुकान को इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन ट्रायल में ई पाश मशीन से बाध्य किया गया है. मशीन की गुणवत्ता बहुत खराब है. सुधार करने के लिए उचित संसाधन नहीं है. सर्वर समस्या के कारण वितरण प्रणाली में गड़बड़ी होते रहती है. इसलिए इसे बदला जाए. पिछले 5 महीने से राशन दुकान के आवंटन में अनियमित बढ़ती जा रही है. इसलिए भंडारण प्रभावित होता है. दुकानदार और उपभोक्ता के मध्य वाद विवाद की स्थिति का सामना करना पड़ता है.

राशन दुकानों की दुकानदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं. बारदाना की राशि, मार्जिन राशि, वित्तीय पोषण राशि समय पर भुगतान नहीं किया जाता. मार्जिन राशि में 20 वर्षों से एक रुपए की वृद्धि नहीं हुई है. वर्तमान में मार्जिन राशि बहुत कम है. जिसे वृद्धि करके 250 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए. मासिक भुगतान और सहकारिता समूह की विक्रेता को 30 हजार मासिक मानदेय के अलावा राशन दुकान एवं विक्रेता का बीमा सुविधा का लाभ दिया जाए.

राशन भंडारण में गड़बड़ी के कारण दुकान में कमी हो रही है. इसलिए ई पास मशीन एवं इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन से कनेक्टिविटी के माध्यम से भंडारण कराया जाए और 2 प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि दी जाए.

राशन वितरण के अलावा अन्य कार्य को कराने के लिए अलग से पारिश्रमिक दिया जाए.

कोरोना काल में 2 महीने का डीडी की राशि जमा करके फ्री में राशन बंटवाई गई थी. उस राशि का भुगतान दुकानदार को अब तक नहीं किया गया है इसे भी जल्द भुगतान किया जाए.

आमंत्रण हेरिटेज साहू सदन में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण में कथा रसपान करने पहुंची पूर्व विधायक रंजना साहू, व्यासपीठ का लिए आशीर्वाद

भास्कर दूत

धमतरी- पितृपक्ष के पावन पर्व पर स्वर्गीय श्री पंचूराम साहू जी स्वर्गीय श्रीमती सूरज साहू जी की स्मृति में उनके परिवार श्री दुखुराम श्रीमती देवकी बाई व सपरिवार द्वारा दिव्यसंगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन आमंत्रण हेरिटेज साहू सदन रुद्री में किया जा रहा है, जिसमें आचार्य पंडित श्री रामप्रताप शास्त्री कोविंद जी महाराज के मुखारविंद से अनेक कथाओं का वाचन कर रहे हैं, जिसमें महाराज जी द्वारा श्रीमद्भागवत कथा माहात्म्य, कुन्ती स्तुति, भीष्म स्तुति, श्री सुखदेव जी आगमन, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, जड़भरत चरित्र, कपिल अवतार, नृसिंह अवतार, नंदोत्सव, श्री वामन अवतार, श्री राम जन्म, श्री कृष्ण अवतार, गिरिराज पूजन, श्रीकृष्ण लीलाएं, माखनचोरी लीलाएं, कृष्ण रुक्मणी विवाह, गोपी विरह, गोपी उद्धव संवाद, सुदामा चरित्र, यदुवंश संहार, कलयुग वर्णन, परम धाम, श्री गीता उपदेश सहित अनेक कथाओं का वर्णन किए। इस पावन पुनीत अवसर पर अपने जीवन को धन्य बनाने के लिए प्रति दिवस भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू कथा प्रांगण स्थल में कथाओं का रसपान करने के लिए शामिल हुई। व्यास पीठ पर विराजमान महाराज जी से आशीर्वाद लिए। कथा रसपान कर पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मोक्ष मार्ग का सार है। सर्वप्रथम यह कथा राजा परीक्षित ने सुना था, अतः श्रीमद् भागवत कथा द्वापर युग से चली आ रही है और आज कलयुग में निरंतर क्षेत्र में यहआयोजन हो रहे हैं, इस कलयुगी जीवन से मोक्ष मार्ग का शाश्वत सत्य श्रीमद् भागवत महापुराण है, जिसका श्रवण करने मात्र से जीवन सफल व धन्य हो जाता है। आमंत्रण हेरिटेज में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह में निरंतर सैकड़ो की संख्या में श्रोतागण उपस्थित हो रहे हैं।

कैंप कार्यालय बगिया से मिल रहा लोगों को नया जीवन

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल रामकुमार को बगिया से मिला त्वरित सहायता

भास्कर दूत

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कार्यालय बगिया जन-आशा का केन्द्र बन रहा है। कैंप कार्यालय बगिया से लोगों को नया जीवन मिल रहा है। विष्णु के सुशासन में छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों से हर मुश्किल आसान हो रही है। ऐसे ही एक कहानी है रामकुमार राम की। जो सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रामकुमार राम ने बताया कि उनका बहुत ही भयानक दुर्घटना हो गया था। जब से एक्सीडेंड हुआ तब से रामकुमार पूरी तहर से बेहोश थे। उनकी पत्नी श्रीमती अंजली बाई ने बताया कि मेरे पति का एक्सीडेंड हो गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय बगिया से त्वरित सहायता मिला और उनके पति को डी.के.एस. रायपुर हॉपिस्टल लेकर गए। जहॉ उनके पत्नी का अच्छे से ईलाज हुआ। अब स्वस्थ्य और खुशहाल जीवन जी रहे हैं। रामकुमार और उसकी पत्नी श्रीमती अंजली ने नई जिन्दगी देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

अपार आईडी के कार्य को पूर्ण करने नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

प्रथम चरण में कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों का 15 अक्टूबर तक अपार आईडी बनाने के दिये गये निर्देश

भास्कर दूत

जशपुरनगर। भारत शासन के दिशा-निर्देशानुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छत्तीसगढ़ राज्य में लागू की जा चुकी है। विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और कौशल विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति और उपलब्धि को ट्रेक करने के लिए एक अद्वितीय आईडी बनायी जायेगी जो एक राष्ट्र एक छात्र आईडी के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहयोग करेगी। यह आईडी आजीवन रहेगी और आसानी से उपलब्ध होगी। इस आईडी का नाम अपार आईडी होगा।

अपार-आईडी डिजीलॉकर से लिंक करने के लिए एक सिस्टम होगा जो विद्यार्थियों को उनके उपलब्धियों जैसे परीक्षा परिणाम, समग्र रिपोर्ट कार्ड, लर्निंग आउटकम के अलावा विद्यार्थियों की अन्य उपलब्धियां चाहे वह ओलंपियाड खेल, कौशल प्रशिक्षण या अन्य किसी भी क्षेत्र हो, को डिजिटल रूप से संग्रहण करने का माध्यम होगा। विद्यार्थी भविष्य में अपनी उच्च शिक्षा या रोजगार के उद्देश्य से क्रेडिट स्कोर का भी उपयोग कर पायेंगे। इसी प्रयास से भारत शासन शिक्षा मंत्रालय के द्वारा प्रत्येक छात्र के आधार नंबर के आधार पर अपार आईडी तैयार करेगा जिसके लिए माता-पिता, अभिभावक से सहमति आवश्यक होगी। इसके लिए शाला स्तर पर पालक शिक्षक बैठक 3 एवं 4 अक्टूबर को आयोजित किया जावेगा। अपार आईडी की सम्पूर्ण क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल द्वारा शिक्षा विभाग के विभिन्न स्तरों पर पदस्थ अधिकारियों को नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिसमें जिला स्तर पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा, विकासखण्ड स्तर पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र समन्वयक, संकुल स्तर पर संकुल प्रभारी एवं संकुल समन्वयक तथा विद्यालय स्तर पर प्राचार्य, प्रधान पाठक एवं व्याख्याता, शिक्षक, स.शि. को नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अपार आईडी के कार्य को पूर्ण करने हेतु सभी स्तर के नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों का दिनांक 28 एवं 30 सितम्बर 2024 को जिला स्तर पर कलेक्टोरेट मंत्रणा कक्ष में 01 दिवसीय प्रशिक्षण डिप्टी कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक एवं जिला के प्रोग्रामर द्वारा प्रदान किया गया है। प्रशिक्षण में अपारआईडी के कार्य के निष्पादन हेतु किये जाने वाले सम्पूर्ण प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा कर बताया गया है। प्रथम चरण में कक्षा 9वीं से 12वीं के विद्यार्थियों का अपार आईडी 15 अक्टूबर 2024 तक बनाने के निर्देश दिये गये उसके पश्चात कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों का अपार आईडी बनाया जायेगा।

जिले के साहित्यकार साहित्य शिरोमणि अलंकरण से सम्मानित

भास्कर दूत

बालोद। भारत के हृदय स्थल मध्य प्रदेश की औद्योगिक राजधानी , देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में अखिल हिंदी साहित्य सभा अहि सास शाखा इंदौर के तत्वाधान में भव्य साहित्यिक गोष्ठी हुई। प्रथम सत्र में सुबह सूर्य की चमक तेज अरुणिमा का विमोचन हुआ। %अरुणिमा% पुस्तक में भारत के विभिन्न प्रांतो के 61 साहित्यकारों की संघर्ष गाथा लिखी गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के बालोद जिला से संत श्री दिनेंद्र साहेब ,डॉ अशोक आकाश एवं भाटापारा से श्री ललित ठाकुर हैं। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में भव्य कवि सम्मेलन हुआ ।जिसमें लगभग 25 कवियों ने भाग लिया। संत श्री दिनेंद्र साहब ने भी अपनी पहेली बुझाई एवं %कफन में जेब नहीं होती% कविता का पाठ किया। इस अवसर में अखिल हिंदी साहित्य सभा अहिसास, शाखा अमरावती के अध्यक्ष डॉक्टर श्रीमती शीला डोंगरे ,इंदौर शाखा के जामवंत डॉक्टर बनवारी लाल जाजोदिया एवं मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन के कर कमलो द्वारा संत श्री दिनेंद्र साहेब को साहित्य शिरोमणि अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। इस सुअवसर में संत श्री देवेंद्र साहेब कबीर आश्रम करहीभदर एवं भक्तप्रवर श्री गिरीश शर्मा जी इंदौर से उपस्थित थे। संत श्री दिनेंद्र साहेब की पुस्तक सुखमय जीवन की प्रेरक कहानी पर डॉक्टर राजेंद्र खरे ने अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय इंदु खरे स्मृति पुरस्कार मोमेंटो एवं ? 2100 की सम्मान राशि से सम्मानित किया। साहित्य समाज का दर्पण है और साहित्यकार समाज के प्रेरणा स्त्रोत।

सुपोषण की दिशा में महिला बाल विकास विभाग द्वारा अच्छा काम किया जा रहा है : लखन लाल देवांगन

कोरबा को सजाने और संवारने का किया जा रहा प्रयास

कोरबा । महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से जिले में सुपोषण की दिषा में अच्छा कार्य किया जा रहा है। पोषण माह के दौरान महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा ग्रामीण स्तर पर विभागीय योजनाओं सहित सुपोषण स्वास्थ्य, षुद्ध पेयजल सुपोषण वाटिका, पर्यावरण संरक्षण की दिषा में सराहनीय कार्य किए गए हैं। उक्त बातें वाणिज्य, उद्योग, व्यापार एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कलेक्ट्रेट के ऑडिटोरियम में महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित सक्षम आंगनबाड़ी के शुभारंभ एवं पोषण माह के समापन समारोह में कही।सक्षम आंगनबाड़ी शुभारंभ एवं सातवां राष्ट्रीय पोषण माह के समापन समारोह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास विभाग केन्द्रिय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, झारखंड राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री संतोष गंगवाल के संबोधन को मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, कलेक्टर श्री अजीत वसंत सहित महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारियों ने वर्चुअल रूप से जुड़कर सुना। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि षासकीय योजना के क्रियान्वयन के साथ ही जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती माताओं, षिषुवती माताओं, किषोरियों, बच्चों के लिए सुपोषण युक्त आहार उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि पोषण माह जैसे कार्यक्रम जिले में संचालित होते रहने चाहिए। इसके साथ ही स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जिला खनिज संस्थान न्यास मद के माध्यम से कोरबा जिले को विकसित करने के साथ ही सजाने व संवारने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। डीएमएफ मद से जिले के जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूल, छात्रावास एवं स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण कराया जा रहा है। स्कूल, छात्रावास, आश्रमों में बच्चों के लिए भोजन बनाने के लिए गैस सिलेंडर प्रदान किये जायेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जिले में 2 से 8 अक्टूबर तक मनाया जाएगा मद्यपान निषेध सप्ताह

स्कूलों में आयोजित किए जाएंगे निबंध और ड्राईंग प्रतियोगिताएं

धमतरी। समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक मद्यपान निषेध सप्ताह मनाया जाएगा। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग एवं राजधानी रायपुर की प्रतिष्ठित सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा संयुक्त रूप से कक्षा नवमीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों हेतु निबंध, भाषण व पोस्टर स्पर्धा आयोजित की जाएगी। उप संचालक, समाज कल्याण विभाग श्री अखिलेश तिवारी ने बताया कि स्पर्धा में धमतरी शहर के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। उन्होंने संस्था प्राचार्यों से कहा कि वे इच्छुक विद्यार्थियों से नशा नाश की जड़ है विषय पर अधिकतम 500 शब्दों में हिंदी भाषा में निबंध लिखवाकर तथा मद्यपान निषेध विषय पर ड्राईंग शीट में पोस्टर बनवाकर 3 अक्टूबर तक शासकीय श्रवण बाधितार्थ बालिका विद्यालय धमतरी में जमा कराएं। उप संचालक ने यह भी बताया कि निबंध साफ अक्षरों में हस्तलिखित हो तथा पोस्टर स्पष्ट हो, निबंध व पोस्टर के सबसे ऊपरी भाग में प्रतिभागी का नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम एवं पालक का मोबाइल नंबर अंकित होना चाहिए। स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को पुरस्कार एवं सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वक्ता मंच द्वारा प्रदान किया जाएगा। स्पर्धा के अंतर्गत निर्णायकों का निर्णय अंतिम व मान्य होगा तथा इस विषय में कोई विवाद स्वीकार नहीं किया जायेगा। स्पर्धा का पुरस्कार वितरण 8 अक्टूबर को किया जाएगा, जिसकी जानकारी अलग से दी जायेगी। कार्यक्रम के संबंध में अधिक जानकारी के लिये श्रीमती मिथलेश चोपड़ा (पोस्टर स्पर्धा) मो. न. 88878-51730 एवं श्रीमती अनुराधा गुरूपंचायन (निबंध स्पर्धा) मो.न. 94241-18719 से संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने प्रदाय किया पेंशन प्राधिकार पत्र

धमतरी। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने 30 सितम्बर 2024 को सेवानिवृत्त हुए जिले के 3 शासकीय सेवकों को पेंशन प्राधिकार पत्र का वितरण किया। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री गांधी ने सेवानिवृत्त हुए सभी अधिकारी, कर्मचारियों को बधाई-शुभकामनाएं दीं और स्वस्थ रहने की कामना की। सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों में कुरूद के उच्च श्रेणी शिक्षक श्री सुरसेन ध्रुव, प्राथमिक शाला नगरी के प्रधानपाठक श्री अशोक कुमार ध्रुव और पुलिस अधीक्षक कार्यालय की एएसआई श्रीमती अरूणा देवी साहू शामिल हैं।

छग शिक्षक संघर्ष मोर्चा की सत्याग्रह पदयात्रा आज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा चरणबद्ध आंदोलन के क्रम में 2 अक्टूबर को सत्याग्रह पदयात्रा राजधानी रायपुर में निकालकर ज्ञापन देंगे 14 अक्टूबर को शिक्षक मोर्चा द्वारा सभी जिला मुख्यालय में बैनर, पोस्टर के साथ ज्ञापन दिया जाएगा। 1 नवंबर राज्य स्थापना के दिवस प्रदेश भर के शिक्षक पूर्व सेवा गणना दीप जलाकर अपने सेल्फी, फोटो सहित प्रचार प्रसार करेंगे। 11 नवंबर को प्रदेश के 146 विकास खंड में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम, तहसीलदार व विकासखंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन दिया जाएगा। 12 नवंबर से 24 नवंबर के बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक को मांग पत्र सौपा जाएगा। 25 नवम्बर को शिक्षक मोर्चा के प्रदेश भर के पदाधिकारी राजधानी रायपुर के इंद्रावती से महानदी भवन मुख्यालय तक पैदल मार्च कर मुख्यमंत्री के नाम मंत्रालय में मांग पत्र देंगे। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा शिक्षकों के लिए मोदी की गारंटी को लागू करने एक बड़ा अभियान पूर्व सेवा गणना मिशन आरम्भ किया गया है एल बी संवर्ग के शिक्षकों के मूल मांग पूर्व सेवा की गणना कर प्रथम नियुक्ति तिथि से सही वेतन का निर्धारण कर, सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर कर, क्रमोन्नत वेतनमान का निर्धारण कर, पुरानी पेंशन निर्धारित करें एवं कुल 20 वर्ष की पूर्ण सेवा में पुरानी पेंशन प्रदान किया जावे के साथ लंबित मंहगाई भत्ता, एरियर सहित देने की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रणनीति तैयार किया गया है। संचालक मंडल के सत्येन्द्र सिंह, संतोष शुक्ला, रविन्द्र राठौर, अमित मसीह, सैयद रफीक ने सभी शिक्षक साथियों से अपने हक की लड़ाई के लिए रायपुर पहुंचने का आह्वान किया है।

स्काउट गाइड सर्वधर्म प्रार्थना सभा आज

जांजगीर-चांपा। स्काउट गाईड जिला संघ द्वारा महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर सर्वधर्म प्रार्थना 2 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे रखी गई है। इसके उपरांत स्मृतिशेष शेखर चंदेल जिला मुख्य आयुक्त भारत स्काउट एंड गाइड दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मौन प्रार्थना की जावेगी। ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक शाला लिंक रोड जांजगीर में 2 अक्टूबर को समय सर्वधर्म प्रार्थना प्रातः 9 से 9ः30 बजे होगी। श्रद्धांजलि सभा 9ः30 से 10 बजे होगी। दिवंगत आत्मा के लिये 2 मिनट का मौन उपरांत सभा समाप्ति की जावेगी। विद्यालयों में प्रभारी अपने संस्था के स्काउट, गाइड रोवर-रेंजर के साथ उपस्थित रहेंगे।

दावा आपत्ति निराकरण सूची, चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन सूचना

कोरबा । स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत दंत चिकित्सक, फ्डिंग डिमोंस्ट्रेटर, रेडियोग्राफर एवं मेडिकल लैब टैक्नालॉजिस्ट के पद की दावा आपत्ति निराकरण सूची एवं अनंतिम मेरिट सूची प्रकाषन कर पुनः दावा आपत्ति आमंत्रित की गई थी। उक्त दावा आपत्ति के निराकरण के पष्चात् निराकरण सूची, चयन सूची एवं प्रतीक्षा सूची कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा तथा कोरबा जिले के षासकीय वेबसाइट ़णवतइंण्हवअण्पद पर अपलोड कर दी गई है।

नहर किनारे मिली चरवाहे की लाश

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

भास्कर दूत

धमतरी। अर्जुनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत आमदी में नहर किनारे धरसा नाली में चरवाहे की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मिली जानकारी के अनुसार राजीव चौक वार्ड क्रमांक 5 निवासी आत्माराम पटेल 50 वर्ष पिता ढूंनु राम अपने बकरी को चराने का काम करता था। सोमवार सुबह बकरी चराने गया हुआ था। दोपहर तक वह नहीं लौटा लेकिन सारी बकरियां वापस लौट गई। मंगलवार सुबह लोगों ने देखा की नहर किनारे धरसा नाली में आत्माराम मृत अवस्था में पड़ा हुआ था। तत्काल अर्जुनी पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पंचनामा के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया। मृतक का बेटा रोशन लाल पटेल व परिजनों ने बताया कि आत्माराम के सिर में चोट के निशान है हत्या की आशंका है। सूक्ष्म जांच की मांग करते हैं। इस संबंध में विवेचक प्रधान आरक्षक खोमेंद्र भारद्वाज ने बताया कि आत्माराम पटेल की धरसा नाली में लाश मिली थी। कान की तरफ से खून बह रहा था मौत संदेहास्पद लग रहा है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

पत्रकारों की 12 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्टर से मिला श्रमजीवी पत्रकार संघ

बालोद कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल को मुख्यमंत्री ने नाम सौपा ज्ञापन

भास्कर दूत

दल्लीराजहरा - पत्रकार साथियों के सुरक्षा के लिए पूर्व में गठित समिति के पुर्नगठन एवम पत्रकार कोष की राशि बढ़ाये जाने सहित 12 सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला बालोद ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल को ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र भारद्वाज के नेतृत्व में सौपे गए 12 सूत्रीय मांगों में

पत्रकार कल्याण कोष की राशि बढ़ाकर पांच लाख किया जाए,सम्मान निधि योजना में अधिमान्यता की शर्त समाप्त हो ताकि ग्रामीण साथियों को भी लाभ मिले,

सम्मान निधि की राशि 15 हजार की जाए,पत्रकार साथियों के सुरक्षा के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह जी ने एक समिति गठित की थी,उसका पुनर्गठन हो, उस समिति को अधिकार दिया गया था कोई भी पत्रकार साथी के विरुद्ध अपराध दर्ज होने पर बिना उच्चस्तरीय जांच के चालान पेश नही किया जा सकता था, साप्ताहिक, मासिक समाचार पत्र के संपादक को भी अधिमान्यता दी जाए,प्रदेश में पत्रकारों के लिए भी टोल टैक्स फ्री हो,प्रदेश के विश्राम गृह में पत्रकारों के लिए आरक्षण की सुविधा हो,शहर की तरह ग्रामीण पत्रकारों को भी वर्ष में दो बार भ्रमण करवाया जाए,वेज बोर्ड के नियमो के अनुसार प्रदेश के पत्रकारों व ग्रामीण संवाददाताओं को भी वेतन दिलवाने श्रम विभाग कार्यवाही करे,शासकीय विज्ञापनों में प्रदेश के अखबारों,स्थानीय चैनल,को प्राथमिकता दी जाए,रायपुर सहित सभी जिला मुख्यालय ,कस्बों में पत्रकारों को न्यूनतम दर पर जमीन दी जाए,सुकमा जिला के पत्रकार साथियों को एक पुलिस अधिकारी के द्वारा दुर्भावना वस फंसाया गया उक्त बात पुलिस विभाग के जांच में भी सामने आ चुकी है ,उसके आधार पर पत्रकार साथियों के विरुद्ध दर्ज मामला के खात्मे के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस आंध्रा पुलिस को प्रस्ताव भेजे जिससे पत्रकार साथियों को न्याय मिल सकेगी आदि मांग शामिल है।ज्ञापन सौंपते के दौरान छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश सचिव मोहन दास मानिकपुरी, श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष विरेन्द्र भारद्वाज, श्रमजीवी पत्रकार संघ ब्लाक अध्यक्ष शेखर गुप्ता,जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र खोब्रागडे,जिला उपाध्यक्ष शेख नबी, ब्लॉक उपाध्यक्ष राजेश पटेल सहित संघ के अन्य सदस्य शामिल थे।

भास्कर दूत
रायपुर, बुधवार 02 अक्टूबर 2024

संपादकीय

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी कचरा प्रबंधन का ब्लू-प्रिंट

हमारा देश अब स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की दसवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह एक परिवर्तनकारी दशकीय यात्रा रही है, जिसके बारे में विचार करने पर प्रभाव बेहद गहरे नजर आते हैं। एक ऐसा मिशन जिसने भारत में स्वच्छता और सफाई के नए पैमाने स्थापित कर एक नई परिभाषा गढ़ी है। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया यह मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था ‰ हर एक नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और 'विकसित भारत' में योगदान देने का आह्वान। आज, एसबीएम ने अपना फोकस केवल शौचालयों के निर्माण और उन तक नागरिकों की पहुंच को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसमें विभिन्न समुदायों के लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के बारे में स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन को भी शामिल किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है, सभी व्यक्तियों को अपने समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने इस पहल को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप भारत खुले में शौच से मुक्त हुआ और हमारे समुदायों में जनभागीदारी की अनोखी अलख जगी। शहरी क्षेत्रों में, एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का नेतृत्व किया है। कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज अभिनव समाधान अपनाए हैं, जो कि वर्ष 2014-2024 के बीच हमारे माननीय प्रधानमंत्री कुशल मार्गदर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है। स्वच्छ सर्वेक्षण के रूप में एक वार्षिक स्वच्छता सर्वे की शुरूआत हुई, जिसने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया। इसने शहरों को सफाई और स्वच्छता संबंधी मानकों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है, साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा है।

स्वच्छ भारत मिशन के मूल में समाज के हर वर्ग और समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, सभी नागरिक स्वच्छता के प्रहारी बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है और स्वच्छता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित किए हैं। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ शहरों में विशिष्ट स्वच्छता संबंधी रणनीतियां तैयार की हैं। साथ ही, नगरपालिका कर्मचारियों और सफ़ाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने निरंतर प्रगति को ट्रैक करने और उसके आवश्यक समायोजन के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ स्तर को बेहतर बनाया है, और स्वच्छ सर्वेक्षण का एक उपकरण के रूप में उपयोग किया है।

वैश्विक सत्य-अहिंसा के पर्याय महात्मा गांधी यूं ही गांधी महात्मा नहीं हुए

भारत के महान सपूत गांधी ने पूरे विश्व में भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के रूप में विश्व को अहिंसा का संदेश दिया और शायद कोई विश्वास करेगा कि अहिंसा से ही महात्मा गांधी ने भारत देश को परितंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराया और अंग्रेजों को भारत से रुखसत करने का दुष्कर कार्य किया। 2 अक्टूबर को गांधी जी के जन्मदिवस पर पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महात्मा गांधी युगकालीन अहिंसक वैचारिक क्रांति के एक बड़े और सशक्त सूत्रधार थे। यह भारत का सौभाग्य ही है कि 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर गुजरात में एक महान व्यक्तित्व ने जन्म लिया था।

जिनका पूरा नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। भावनगर के श्यामल दास कॉलेज में उनकी शिक्षा हुई तत्पश्चात उनके भाई लक्ष्मी दास ने उन्हें बैरिस्टर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड भेज दिया था। इंग्लैंड जाने से पहले मात्र 13 वर्ष की आयु में उनका विवाह कस्तूरबा गांधी से हो गया था। 1891 में गांधीजी इंग्लैंड से वकालत पास कर मुंबई में वकालत प्रारंभ कर दी थी। गांधी जी के समाज क्रांतिकारी जीवन का शुभारंभ 1893 में तब हुआ जब एक मुकदमे के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहां उन्होंने अंग्रेजों को भारतीयों एवं वहां के मूल निवासियों के साथ बुरा व्यवहार करते देखा था। वहां अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को भी कई बार अपमानित किया था। गांधी जी ने अंग्रेजों के अपमान के विरुद्ध मोर्चा संभालते हुए उनके विरोध के लिए सत्याग्रह और अहिंसा का मार्ग चुना था। दक्षिण अफ्रीका के दौरान उन्होंने अध्यापक, चिकित्सक और कानूनी अधिकार की लड़ाई के लिए अधिवक्ता के रूप में जनता को जागरूक करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की और महत्वपूर्ण काम किए। अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन कर समाज की सेवा की। उनकी एक महत्वपूर्ण पुस्तक माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ विश्व प्रसिद्ध आत्मकथा बनी। दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के कार्यों तथा सतत प्रयत्नों की ख्याति भारत में फैल चुकी थी। और जब वे भारत लौटे तो उनका गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान्य गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने भव्य स्वागत किया। भारत में आते ही गांधी जी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य बिहार के चंपारण जिले के नीलहे किसानों को अंग्रेजों से मुक्ति दिलानें का किया, 1917 में गांधी जी के सत्याग्रह के फलस्वरूप ही चंपारण के किसानों का शोषण समाप्त हो पाया था।

अहमदाबाद में आश्रम की स्थापना के साथ साथ अंग्रेज सरकार के विरुद्ध उनका संघर्ष प्रारंभ हुआ और भारतीय राजनीति की बागडोर अब महात्मा गांधी के हाथों में आ चुकी थी। गांधीजी इस बात को अच्छे से समझ चुके थे कि सामरिक तौर पर अंग्रेजों से लड़ाई नहीं की जा सकती है, भारत को अंग्रेजों से मुक्ति लाठी बंदूक के बल पर नहीं प्राप्त हो सकती थी, इसीलिए उन्होंने सत्य और अहिंसा की शक्ति का सहारा लिया। स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। 1920 में उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन प्रारंभ कर दिया था। अंग्रेजों ने जब नमक पर कर लगाया तो गांधीजी ने 24 दिन की दांडी यात्रा आयोजित की 24 दिनों की यात्रा के पश्चात उन्होंने अपने हाथों से दांडी नामक स्थान पर नमक बनाया और सविनय अवज्ञा आंदोलन भी संचालित किया। इसी बीच गांधी इरविन समझौता के लिए गांधीजी इंग्लैंड भी गए पर अंग्रेजों की बदनियति के कारण यह समझौता मूर्त रूप नहीं ले सका, फल स्वरुप यह आंदोलन 1934 तक चलता रहा। 1942 में गांधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन चलाया गया जिसमें करो या मरो का नारा देकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एकजुट कर अंग्रेजो के खिलाफ मोर्चा खोला गया। गांधीजी तथा अन्य नेताओं, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अथक प्रयास से 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। 1920 से 1947 तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गांधीजी की भूमिका के कारण इस युग को गांधी युग भी कहा जाता है। स्वतंत्रता के बाद भी गांधीजी का विरोध हिंदू और मुसलमान कट्टरपंथी लोग लगातार करते रहे। और 30 जनवरी 1948 को जब वे प्रार्थना सभा जा रहे थे तब उनकी निर्मम हत्या कर दी गई। सत्य तथा अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी का दुखद देहांत हो गया।

गांधी जी हमारे बीच नहीं है, पर उन्हें युगों तक याद किया जाता रहेगा।उनके द्वारा प्रतिपादित चार आधारभूत सिद्धांत सत्य, अहिंसा, प्रेम और सद्भाव को आज भी पूरे विश्व में करोड़ों लोगों द्वारा अंगीकार किया जा रहा है। सत्यमेव जयते जैसे राष्ट्रीय वाक्य के प्रेरणा स्रोत गांधी जी ही थे। गांधी जी द्वारा अपनाई अहिंसा का सही मतलब मन,वाणी तथा कर्म से किसी को आहत ना करना, उनके यह महान विचार थे कि अहिंसा के बिना सत्य का अन्वेषण असंभव है। महात्मा गांधी एक वैचारिक क्रांति के युग थे। गांधी जी सर्वधर्म समभाव के एक बड़े प्रेरणा स्रोत भी रहे। वसुधैव कुटुंबकम की अवधारणा भी उनके द्वारा प्रतिपादित की गई थी। उनके मन में सभी धर्मों के प्रति प्रेम तथा आदर भाव समाहित था, और यही वजह है कि गांधी जी को महात्मा गांधी और राष्ट्रपिता कहा जाता है। गांधीजी की सरलता एवं सत्य अहिंसा के प्रति अनुराग के सामने अंग्रेज नतमस्तक होकर भारत को स्वतंत्र कर भारत छोड़ गए। अंग्रेज गांधी जी की सत्याग्रह तथा सहयोग से घबराकर भारत से दुम दबाकर भागे। गांधीजी की सादगी,सरलता एवं सादा जीवन, सत्य और अहिंसा हम सबके लिए आज सबसे ज्यादा अनुकरणीय है।

महात्मा गांधी को हम सब भारत वासियों तथा सत्य और अहिंसा के पुजारियों की ओर से नमन श्रद्धांजलि एवं प्रणाम।

संजीव ठाकुर, स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

(2 अक्टूबर शास्त्री जन्म-दिवस) ईमानदारी,निष्ठा और अनुशासन के अनन्य उपासक लालबहादुर शास्त्री।

आज की भारतीय राजनीति में यह अविश्वसनीय ही लगेगा इस देश में एक ऐसे ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ और देश के प्रति अपना सर्वस्व त्यागने वाले लाल बहादुर शास्त्री ने अपनी जीत की पूर्ण संभावना के बाद भी यह कहा हो कि卐 यदि एक व्यक्ति भी मेरे विरोध में हुआ, तो उस स्थिति में प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहूंगा卐, भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ऐसे ही स्वाभिमानी महान राजनेता थे, जिन्होंने पद को नहीं बल्कि देश के हित को सर्वोपरि माना था। 27 मई 1964 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु की मृत्यु के बाद देश को साहस और निर्भीकता से नेतृत्व देने वाले नेता की परम आवश्यकता थी। मोरारजी देसाई तथा जगजीवन राम जैसे नेता सामने आए थे, इस पद की गरिमा और प्रजातांत्रिक मूल्यों को देखते हुए शास्त्री जी ने चुनाव में भाग लेने से इनकार कर दिया था। 2 जून 1964 को कांग्रेस के संसदीय दल ने एक मतेन और सर्वसम्मति से लाल बहादुर शास्त्री को अपना नेता स्वीकार किया और 9 जून 1964 को लाल बहादुर शास्त्री जी को देश का दूसरा प्रधानमंत्री मनोनीत किया गया। 1920 को अपनी पढ़ाई छोड़ कर गांधीजी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने के लिए वे स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े, बाद में गांधी जी की प्रेरणा से ही उन्होंने काशी विद्या पीठ में प्रवेश लेकर 1925 में शास्त्री की उपाधि प्राप्त की, और अपने

2 अक्टूबर गांधी जन्म-दिवस पर विशेष

जन्म से चला आरहा जातिसूचक शब्द श्रीवास्तव हमेशा के लिए हटा लिया तथा अपने नाम के आगे शास्त्री लगा दिया था। इसके उपरांत अपने को देश की सेवा में न्योछावर कर दिया। अपना पूरा बचपन संघर्षों से गुजारने के बाद शास्त्री जी एक तपे हुए इमानदार राजनेता की तरह उभरे। 1930 में स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए चलाए जा रहे नमक आंदोलन में हिस्सा लेकर वे जेल चले गए। उनका देश के प्रति समर्पण देखकर उन्हें उत्तर प्रदेश कांग्रेस का महासचिव बनाया गया। स्वतंत्रता आंदोलन मैं हिस्सा लेने के लिए देश के इस महान सपूत को बहुत यातनाएं भी झेलनी पड़ी और जीवन काल में कई बार जेल भी गए। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें फिर से जेल भेज दिया गया था। पद और प्रतिष्ठा, लोभ, लालच से सदैव दूर रहने वाले लाल बहादुर शास्त्री जी स्वतंत्रता के बाद अनेक मंत्रालयों के मंत्री पद से शुभोषित भी किया गया, गोविंद वल्लभ पंत के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कालखंड में शास्त्री जी को पुलिस मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया और इसी पद में रहते हुए उन्होंने भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए लाठी की जगह पानी की बौछार का प्रयोग प्रारंभ करवाया था। 1952 में जवाहरलाल नेहरु जी ने उन्हें केंद्रीय रेल मंत्री नियुक्त किया और 1956 में देश में हुई एक बड़ी रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी लेते हुए नैतिक आधार पर अपना त्यागपत्र पेश कर एक मिसाल कायम की, जो आज पर्यंत तक अनुकरणीय है। नेहरू जी के कार्यकाल में वे परिवहन संचार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय भी संभालते रहे। 1961 में उन्हें पंत जी की मृत्यु के बाद गृह मंत्रालय का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया। सभी महत्वपूर्ण पदों पर ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा के साथ सभी पदों को सफलतापूर्वक निभाने के कारण शास्त्री जी को 1964 में देश का दूसरा प्रधानमंत्री बनाया गया।

शास्त्री जी कठिन से कठिन परिस्थितियों में सहजता, निर्भीकता, और संपूर्ण धैर्य के साथ सामना करने की अद्भुत क्षमता थी । प्रधानमंत्री के पद में रहते हुए भी सादगी ईमानदारी और निष्ठा की एक अनोखी मिसाल उन्होंने कायम की थी। 1965 में पाकिस्तान ने भारत के साथ युद्ध करने का दुस्साहस दिखाया था तब लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा देकर भारत के वीर जवानों को राष्ट्र की रक्षा के लिए बहुत ज्यादा उत्साहित किया था, दूसरी तरफ किसानों को अन्न ज्यादा से ज्यादा पैदा करने के लिए ऊर्जा एवं शक्ति प्रदान की थी। 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारत को अभूतपूर्व विजय प्राप्त हुई थी। और देश में अन्न का भंडार भी परिपूर्ण हो गया था। अपनी ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा सूझ बुझ और निर्भीकता से लाल बहादुर शास्त्री ने कार्यकाल में देश में आई अनेक गंभीर समस्याओं का सरलता से समाधान भी किया। 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत की विजय के बाद ताशकंद समझौते के लिए लाल बहादुर शास्त्री ताशकंद गए। पाकिस्तानी राष्ट्रपति के साथ 10 जनवरी 1966 को एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किए, और उसी रात्रि को एक अतिथि गृह में शास्त्री जी की रहस्यमय तरीके से हृदय गति रुक जाने से आकस्मिक मृत्यु हो गई और हमने देश का एक महान सपूत को हमेशा के लिए खो दिया था। उनकी अंत्येष्टि यमुना के किनारे शांतिवन में राजकीय सम्मान के साथ की गई और उस स्थल को विजय घाट का नामकरण किया गया। शास्त्री जी के निधन से जो देश को क्षति हुई उसकी तो पूर्ति नहीं की जा सकती किंतु देश उनकी सादगी देशभक्ति ईमानदारी निष्ठा को युगो युगो तक याद करता रहेगा। 1966 में उन्हें मृत्यु के उपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। आज भारत देश को ऐसे ही कर्तव्यनिष्ठ ईमानदार और देशभक्त नेताओं की आवश्यकता है। लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि नमन है।

संजीव ठाकुर,
चिंतक, लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़

शिक्षक शिक्षा और समाज

मनुष्यता का प्राण है शिक्षा।राष्ट्रीय गौरव का अभिमान है शिक्षा।सांस्कृतिक विविधता और अस्मिता का पहचान है शिक्षा।क्षितिज के उस पार भी वजूद का विस्तार है शिक्षा।हर मनुष्य की जिजिविषा का मानवीय अधिकार है शिक्षा। वैयक्तिक,सामाजिक और राष्ट्रीय विकास का आधार है शिक्षा। शिक्षा बहु आयामी है इसके बिना राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। शिक्षक, शिक्षा और समाज तीनों की सम्यक अवधारणा से बेहतर विद्यालय का निर्माण होता है।और इसी विद्यालय के लघु कक्ष में उदात्त राष्ट्र का सृजन होता है।शिक्षक, शिक्षा और समाज गुणवत्ता मूलक शिक्षा के श्रेष्ठ अवलंब है।इसके बिना शिक्षा में उच्च गुणवत्ता संभव ही नहीं है। आज इतने सारे उपस्कर और भौतिक संसाधनों की प्रचुरता के बावजूद बच्चों में शैक्षिक गुणवत्ता क्यों शिफर है चिंतन और चिंता का विषय है। शिक्षक और समाज के कर्म कौशल से ही बेहतर विद्यालय का निर्माण होता है। वह बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाने के लिए बेहतर वातावरण का निर्माण करते हैं। और बच्चे विद्यालय जाने के लिए आकर्षित और प्रेरित होते हैं। समाज को उदार होना चाहिए शिक्षा के लिए। प्राचीन काल में गुरु शिष्य परंपरा में शिक्षा के सारे भौतिक संसाधन समाज से ही उपलब्ध होता था। तक्षशिला,नालंदा,विक्रमशिला और रविंद्र नाथ टैगोर का शांतिनिकेतन उत्कृष्ट उदाहरण है शिक्षा संस्थान के। गुरुकुल की सारी अवधारणा उदार समाज पर ही केंद्रित रही है। शिक्षक,शिक्षा और समाज की त्रिवेणी से राष्ट्रीय अस्मिता,चारित्रिक संस्कार,अनुशासन और कर्तव्य निष्ठा के मंदाकिनी अजस्त्र होकर प्रवाहित होती रही है समाज में।लेकिन आज शिक्षक, शिक्षा और सरकार से चल रही शिक्षा से अनुशासित चरित्रवान कर्तव्य निष्ठ समाज में क्यों नहीं बन पाया है यह भी राष्ट्रीय चिंतन का विषय है।यह भी शिक्षा में राष्ट्रीय गुणवत्ता का विषय हो सकता है। शिक्षा में उच्च गुणवत्ता का अर्थ राष्ट्रीय गुणवत्ता का अर्थ भी हो सकता है। समाज में पनप रहे अश्लीलता,राजनीति में बेशुमार भ्रष्टाचार,चोरी, डकैती,लूट,हत्या,बलात्कार हिंसा जैसे उपद्रव और कोलाहल से राष्ट्रीय और सामाजिक जीवन आक्रांत है। स्कूलों ने आदर्श और मर्यादा का सृजन नहीं हो पाया।लगता है हमारी शिक्षा अधूरी और असफल है।

समाज में शिक्षा के लिए बेहतर संसाधन शिक्षक ही है। बरगद के पेड़ की छाया में एक ब्लैक बोर्ड और चाक मिट्टी से शिक्षक छात्र के जीवन को बदल सकता है। बशर्ते शिक्षक में अनंत संभावनाएं और संकल्प होना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि पार्लियामेंट द्वारा बनाए गए कानून मनुष्य को नहीं सुधार सकता जब तक उस देश के निवासी आदर्श और उद्दात चरित्र के ना हो। इसका विभत्स और कुरूप दृश्य अब देश के संसद भवन में देखने को मिल रहा है।संविधान की धज्जियां उड़ाने वाले लोग संसद भवन में संविधान की पुस्तक लहरा रहे हैं।इसे कौन से गुणवत्ता कहा जाए।यानि स्वामी जी के अनुसार चरित्र निर्माण ही शिक्षा का मूल उद्देश्य है। मनुष्य में चरित्र गठन शिक्षा से ही संभव है। स्वामी जी ने यह भी कहा है कि मनुष्य में अंतर्निहित देवत्व का प्रकटीकरण ही शिक्षा है। शिक्षा के द्वारा मनुष्यता की सर्वोच्च अवस्था को महर्षि अरविंद ने अति मानस तथा राधाकृष्णन ने अध्यात्म कहा है।

इतने सारे प्रचुर संसाधनों, संभावनाओं,उपस्कर के बावजूद शिक्षा गुणवत्ताहीन क्यों है।समय-समय पर सरकारे समावेशी शिक्षा नीति बनाती है।क्रियान्वित भी करती है। शिक्षकों को समय-समय पर सेवाकालीन प्रशिक्षण भी देती है। जिसमें बच्चों में उच्च गुणवत्ता आए। विषय की दक्षता और दक्षतापूर्ण अध्यापन से बच्चों में निहित अनंत कौशलों का विकास हो।

लेकिन हमारी शिक्षा में कहां कमी है शोध का विषय है। सन 1968 सन 1986 सन 1993 तथा अब सन 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समग्र कौशलों के विकास की अनंत संभावनाएं प्रचुरता के साथ शामिल है। क्या कारण है कि हम असफल हो रहे हैं। उच्च गुणवत्ता के लिए कुछ बातें आवश्यक,समीचीन है और प्रासंगिक है।

विद्यालय में कठोर अनुशासन समय का उचित प्रबंधन।शिक्षकों में आत्म अनुशासन शाला कैलेंडर नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा का बोध ।कालखंड के अनुसार सतत अध्यापन पाठ्यक्रम और बच्चों से सतत जुड़ाव गैर शिक्षकीय कार्य पर पूर्ण प्रतिबंध यह गुणवत्ता में सबसे बड़ी बाधा है।प्राथमिक शाला को उच्च गुणवत्ता से परिपूर्ण करना अध्यापन,मूल्यांकन, पाठ्येत्तर गतिविधियो का संचालन, योगासन और खेलकूद का पाठ्यक्रम में समावेश। उच्च अधिकारियो एवं शाला प्रबंधन समिति का प्रभावी नियंत्रण।विद्यालय पुस्तकालय से सतत जुड़ाव।निष्ठाहीन नशापान कर विद्यालय में आने वाले शिक्षकों पर कठोर दंड और अनुशासित चरित्रवान शिक्षकों का सम्मान एवं प्रोत्साहन से शिक्षा को गुणवत्ता संपन्न बनाया जा सकता है। शिक्षक,शिक्षा और समाज गुणवत्ता मूलक शिक्षा के आधार स्तंभ है। शिक्षा को उन्मुक्त समाज को उदार तथा शिक्षक को चरित्रवान होना चाहिए।

जगदीश देशमुख
वरिष्ठ साहित्यकार
राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक
बालोद

वन नेशन, वन इलेक्शन को औपचारिक मंजूरी

भारतीय लोकतंत्र में इस समय मुख्य चुनौती सारे चुनाव एक साथ करा देने की नहीं, बल्कि जो चुनाव होते हैं, उनकी साख कायम रखने की है। ऐसी कई समस्याएं बढ़ती गई हैं, जिनकी वजह से भारतीय चुनावों पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रिय योजना वन नेशन, वन इलेक्शन' को औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसका अर्थ यह है कि अब सरकार इस योजना को लागू करने की दिशा में काम करेगी। यह कैसे होगा, इसका मोटा खाका रामनाथ कोविंद कमेटी ने बनाया था। उसके मुताबिक लोकसभा चुनाव वाले वर्ष में सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी कराए जाएंगे। कोविंद कमेटी ने जब अपनी रिपोर्ट पेश की थी, तब भी इससे ज्यादा स्पष्टता नहीं बनी थी, ना कैबिनेट के हरी झंडी देने के बाद अब इसका पूरा ब्लू प्रिंट उभरा है। इसलिए कहा जाएगा कि अभी तक यह योजना महज एक इरादा ही है। सत्ता पक्ष चाहता, तो महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभाओं के चुनाव भी लोकसभा चुनाव के साथ करवा कर इस योजना को अधिक विश्वसनीय बना सकती था। लेकिन बाकी बातें तो दूर, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव भी नहीं कर जा सके। वैसे भी भारतीय लोकतंत्र में इस समय मुख्य चुनौती सारे चुनाव एक साथ करा देने की नहीं, बल्कि जो चुनाव होते हैं, उनकी साख बहाल करने की है।

पहला मुद्दा निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता सुनिश्चित करने का था, जिसमें होनी वाली नियुक्ति प्रक्रिया को पिछले वर्ष सरकार ने मनमाने ढंग से बदल दिया। आम चुनाव के दौरान आयोग का रुख लगातार सवालों के घेरे में रहा। आयोग ने मतदान प्रतिशत बताने में जैसी देर की और बाद में गिरे वोटों की संख्या में जितनी वृद्धि बताई गई, उससे साख का संकट खड़ा हुआ है। चुनाव परिणाम को लेकर जैसे प्रश्न इस बारे उठे, वैसा भारत के चुनावी इतिहास में कभी नहीं हुआ था। इसके अलावा धन का कसता जा रहा शिकंजा चुनावों के प्रातिनिधिक दायरे को लगातार सिकोड़ रहा है। अब इसी पृष्ठभूमि में वन नेशन, वन इलेक्शन योजना सरकार ले आई है। स्वाभाविक है कि सहज गले लगाने के बजाय जनमत का एक बड़ा हिस्सा इसे विरोध भाव के साथ देखेगा। जन विश्वसनीयता और सहमति किसी लोकतंत्र के संचालन की पूर्व शर्त होती हैं।

नवरात्रि महापर्व

नकारात्मक मनोवृत्ति
एवं पापों से उन्मुक्ति का।
दान-पुण्य, सात्विक वृत्ति,
अध्यात्म से आसक्ति का।
व्रत, उपवास, नृत्य, गरबा,
जगराता आदि युक्ति का।
हवन, पूजन, घटस्थापन से
आस्था की अभिव्यक्ति का।
स्तोत्र, मंत्र, वंदना, आरती,
भजनों की पुनरुक्ति का।
%ओम% नवरात्रि महापर्व है
दैवीय, आद्य शक्ति का।
उमंग, उत्साह, उल्लास,
ख़ुशी की पुनरावृत्ति का।
साधना का, आराधना का
उपासना का, भक्ति का।

-ओमप्रकाश चोरमा
शाहगंज, जिला सीहोर

गांधी की वसीयत

गांधी की लाठी,
अब म्यूजियम में सजती,
चश्मा उनका,
अब बस फोटो में दिखता।
विचार उनके, किताबों में कैद,
खड़ाऊ उनकी,
अब कोई नहीं पहनता,
सत्य-अहिंसा का पाठ,
अब कौन कहता?
खाकी खादी में भारी पड़ते ।
गांधी के नाम पर,
बस भाषण भरते।
लाठी से अब,
कोई सत्याग्रह नहीं करता,
चश्मे से अब,
कोई सच्चाई नहीं देखता। ।
विचार तुम्हारे गांधी,
अब बस चर्चा का विषय,
दांडी यात्रा की राह,
अब कोई नहीं पकड़ता।
खड़ाऊ तेरी
अब बस शोपीस बन गई,
गांधी तेरी टोपी
सबने एक दूसरे को पहनाई
गांधी की तेरी लाठी से,
थाने में,
सत्य और अहिंसा का
पाठ सीखते है,
यादें अशेष ।

गिरीश ठक्क र
स्वर्गीय

'सुषमा के स्नेहिल सृजन'

छंद-मनहरण घनाक्षरी
करील पौध

अधर लगाए श्याम, पास रखें आठों याम,
धन्य भाग करील का,
पौध बढ़भागी है।
तरकश तीर बने, राघव काँधे में सजे,
दानव संहार करे,
शौर्य सहभागी है।
डलिया स्वरूप सोहे, सिया जी के मन मोहें,
भाँति-भाँति सुमनों से,
चित्त अनुरागी है।
कुटिया आश्रम बने, विविध ये रूप धरे,
संतों का निवास जहाँ,
जीवन वैरागी है।

'सुषमा' प्रेम पटेल
(रायपुर छ.ग.)

शब्द सामर्थ्य– 392

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे
1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

1		2			3	4	5	■
	■		■	■	6			■
7			8	■	■	■	■	9
	■	■	10		11	■	12	
13	14			■	15	16	■	
■		■	■		17			■
18		19	■	20	■			■
	■	21			■	22		23
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य – 391

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

सू-दोकू क्र. 392

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 391 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

भास्कर दूत

रायपुर, बुधवार 02 अक्टूबर 2024

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर हुए धड़ाम

लिस्टिंग के बाद पहली बार कीमत 100 रुपये के नीचे

मुंबई । ओला इलेक्ट्रिक के शेयर की कीमत में 4 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट देखने को मिली। इस कारण से शेयर के दाम लिस्टिंग के बाद पहली बार 100 रुपये के नीचे पहुंच गए। अब तक के कारोबारी सत्र में, ओला इलेक्ट्रिक के शेयर ने 97.84 रुपये का न्यूनतम स्तर और 102.38 रुपये का उच्चतम स्तर छुआ है।

दोपहर 1.36 बजे, ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.10 रुपये पर था। शेयर में पिछले 11 सत्रों में से 9 सत्रों में गिरावट देखने को मिली है। इस गिरावट को मिलाकर ओला इलेक्ट्रिक का शेयर अपने पीक 157.4 रुपये से करीब 36 प्रतिशत फिसल गया है।

ओला के शेयर में आ रही गिरावट कंपनी के लिए परेशानी बढ़ने का संकेत है। अगस्त में लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर में बड़ी तेजी देखी गई थी और ओला इलेक्ट्रिक के शेयर ने लिस्टिंग के दो हफ्ते में ही 107 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया था।

हाल में आई रिपोर्ट के मुताबिक, ओला इलेक्ट्रिक की फ्लैगशिप ईवी स्कूटर सीरीज एस1 में बड़ी संख्या में ग्राहकों को परेशानियों का सामना करना पड़ना रहा है। इसमें सॉफ्टवेयर में खराबी, स्पेयर पार्ट्स की कमी और सर्विस सेंटर पर लंबा इंतजार शामिल है। ओला इलेक्ट्रिक डायरेक्ट-टू-कस्टमर मॉडल पर काम करती है। कंपनी पूरे देश में 500 से ज्यादा एक्सपीरियंस सेंटर और 430 से ज्यादा सर्विस सेंटर चलाती है।

पिछले शुक्रवार को कंपनी की ओर से अपने सेंटर की संख्या बढ़ाकर 1,000 करने का ऐलान किया गया था। फाइनेंसियल सर्विसेज फर्म बोनांजा के राजेश सिन्हा के मुताबिक, लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इसकी वजह प्रतिस्पर्धा का बढ़ना, ईवी की बिक्री में गिरावट और सर्विस से जुड़े मुद्दे का होना है।

छोटी बचत योजनाओं पर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में समान रहेगी ब्याज दर

नई दिल्ली । केंद्र सरकार की ओर से अक्टूबर से दिसंबर की अवधि के लिए छोटी बचत योजनाओं जैसे पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं गया है। सरकार के इस फैसले के बाद छोटी बचत योजनाओं पर जुलाई से सितंबर की अवधि में मिल रही ब्याज दर ही जारी रहेगी।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए नोटिफिकेशन में कहा गया कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही यानी 1 अक्टूबर, 2024 से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक की अवधि के लिए सभी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस दौरान वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही (1 जुलाई, 2024 से 30 सितंबर, 2024) के लिए अधिसूचित की गई ब्याज दरें ही लागू रहेंगी।

छोटी बचत योजनाओं में पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ), सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस), सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई), नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी), पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी), महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट (एमएसएससी) किसान विकास पत्र (केवीपी) और पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) को शामिल किया जाता है।

छोटी बचत योजनाओं में सबसे अधिक 8.2 प्रतिशत का ब्याज सुकन्या समृद्धि योजना और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम पर मिल रहा है। इसके बाद नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट पर 7.7 प्रतिशत, किसान विकास पत्र और महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट पर 7.5 प्रतिशत, मंथली इनकम स्कीम पर 7.4 प्रतिशत और पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 प्रतिशत का ब्याज मिल रहा है।

शेयर बाजार तेजी के साथ खुला, आईटी और ऑटो शेयरों में खरीदारी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में खुला। बाजार के ज्यादातर सूचकांकों में हरे निशान में कारोबार हो रहा है। सुबह 9.23 पर सेंसेक्स 246 अंक या 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 84,592 और निफ्टी 79 अंक या 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,890 पर खुला।

शुरुआती कारोबारों में बैंकिंग शेयरों में भी तेजी देखने को मिल रही है। निफ्टी बैंक 250 अंक या 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 53,231 पर था। बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,539 शेयर हरे निशान में और 649 शेयर लाल निशान में थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर में तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 54 अंक या 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60,207 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 99 अंक या 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,279 पर बना हुआ था।

सेंसेक्स में टेक महिंद्रा, एलएंडटी, एसबीआई, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, विप्रो, कोटक महिंद्रा, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मोटर्स टॉप गेनर्स थे। एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचयूएल, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, आईटीसी, सन फार्मा और इंडसइंड बैंक टॉप लूजर्स थे। एशिया के ज्यादातर बाजारों में तेजी का ट्रेंड बना हुआ है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक और जकार्ता के बाजारों में हरे निशान में कारोबार हो रहा है। केवल सोल और ताइपे के बाजार लाल निशान में हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को हरे निशान में बंद हुए थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सहायता पैकेज मिलने के कारण शंघाई का बाजार बीते पांच कारोबारी सत्रों में 20 प्रतिशत और हांगकांग का बाजार पिछले एक महीने में 19.45 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है। इसके कारण बड़ी संख्या में विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों में बिकवाली कर चीन का रुख कर रहे हैं। आगे कहा कि इससे बाजारों को लंबी अवधि में कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि यहां घरेलू निवेशकों की ओर से बाजार में लगातार निवेश किया जा रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली के बीच निवेशकों के लिए बाजार में प्रवेश करने का यह अच्छा समय है।

अद्वय की डेब्यू फिल्म सुब्रमण्य का टीजर, भयानक घने जंगल में सांपों से घिरे दिखे एक्टर

आगामी सोशियो फैंटेसी एडवेंचर फिल्म सुब्रह्मण्य ने अपनी शानदार झलक सुब्रह्मण्य झलक-द फर्स्ट एडवेंचर का अनावरण किया है, जिसने दर्शकों को विस्मय में डाल दिया है। एसजी मूवी क्रिएशन द्वारा निर्मित और पी रविशंकर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म मुख्य भूमिका में अद्वय की पहली फिल्म है। दुबई में झलक का शुभारंभ किया गया, जिसमें शानदार दृश्य प्रभाव और एनीमेशन दिखाए गए हैं जो एक अद्वितीय सिनेमाई अनुभव का वादा करते हैं। झलक में अद्वय को ज़हरीले साँपों से भरे एक कुएँ में तैरते हुए, एक प्राचीन पुस्तक को पुन: प्राप्त करते हुए, और योद्धाओं की पोशाक पहने विशालकाय वानरों द्वारा पीछा किए जाते हुए दिखाया गया है। भगवान श्री राम की विशेषता वाला अंतिम शॉट विशेष रूप से प्रभावशाली है। अद्वय के अभिनय, विग्नेश राज के असाधारण कैमरा वर्क और रवि बसरूर के बेहतरीन बैकग्राउंड स्कोर ने अपार उत्साह पैदा किया है। साठ से ज़्यादा वीएफ़एक्स कलाकारों ने चार महीने तक अथक परिश्रम किया है और फ़िल्म के दृश्य मुंबई, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई के मशहूर स्टूडियो में तैयार किए गए हैं। कलर ग्रेडिंग पार्टनर रेड चिलीज़.कलर ने दृश्यों में जीवंत सुंदरता भर दी है। बड़े फ़ॉर्मेट में शूट की गई सुब्रह्मण्य एक रोमांचकारी असाधारण थ्रिलर का वादा करती है, जिसे तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम और हिंदी में पूरे भारत में रिलीज़ किया जाएगा। सुब्रह्मण्य की तकनीकी टीम में निर्देशक के तौर पर पी रविशंकर, संगीतकार के तौर पर रवि बसरूर, सिनेमैटोग्राफर के तौर पर विग्नेश राज, एडिटर के तौर पर विजय एम कुमार और प्रोडक्शन डिज़ाइनर के तौर पर उल्लास हैदुर शामिल हैं।

तृप्ति डिमरी अब माधुरी दीक्षित के साथ पर्दे पर मचाएंगी धमाल

लगेगा कॉमेडी का तड़का

इन दिनों अभिनेत्री तृप्ति डिमरी खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों न, उनके पास एक से बढ़कर एक फिल्मों के प्रस्ताव जो आ रहे हैं। जल्द ही वह कई चर्चित फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।एनिमल के बाद से तृप्ति स्टारडम के रथ पर सवार हैं और अब एक और फिल्म उनके हाथ लग गई है।खास बात यह है कि इस फिल्म में उन्हें बॉलीवुड की धक-धक गर्ल रहीं माधुरी दीक्षित का साथ मिला है।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभालने वाले हैं, जिन्होंने विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। अगले साल मार्च-अप्रैल में फिल्म की शूटिंग शुरू होगी।फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी भले ही सामने नहीं आई है, लेकिन 90 के दशक की लोकप्रिय अदाकारा माधुरी और आज की पीढ़ी की अभिनेत्री तृप्ति की जुगलबंदी देखना बेहद दिलचस्प होगा। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म होगी।

बॉक्स ऑफिस पर जूनियर एनटीआर की देवरा का कहर

सिर्फ 2 दिनों में वर्ल्डवाइड 243 करोड़ की बंपर कलेक्शन

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की देवरा: पार्ट 1, जिसने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की, ने भारत में 100 करोड़ रुपये और दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. कोराटाला शिवा की निर्देशित इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है.

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने देवरा: पार्ट 1 के दूसरे दिन के कलेक्शन के बारे में अपडट साझा किया है. तरण आदर्श ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के बिजनेस के बारे में अपडेट साझा करते हुए लिखा है, बॉक्स ऑफिस मुस्कुरा रहा है. देवरा ने शनिवार (दूसरे दिन) को बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूती के साथ गति पकड़ी. लोगों की पॉजिटिव रिस्पॉन्स के कारण बढ़त की संभावना थी, लेकिन शनिवार के आंकड़े ने साफ संकेत दे दिए हैं कि कंटेट को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है.

ट्रेड एनालिस्ट ने आगे लिखा है, जबकि मास सर्किट का दबदबा जारी है, शनिवार को मेजर नेशनल चैन में भी तेजी देखी गई. वर्तमान रुझानों के आधार पर, रविवार को देवरा जबरदस्त परफॉर्म कर सकती है. यदि देवरा सोमवार और मंगलवार, दोनों वर्किंग डे पर अपनी स्पीड बनाए रखती है, तो यह हिंदी वर्जन में सफलता की ओर अग्रसर हो सकती है.

खेल

आयरलैंड ने टी20 क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका को पहली बार हराकर रचा इतिहास

अबू धाबी । आयरलैंड क्रिकेट टीम ने शेख जायेद क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर इतिहास रच दिया है। इसके साथ ही उन्होंने दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। इस जीत में अडायर बंधुओं ने अहम भूमिका निभाई। रॉस और मार्क के इस प्रदर्शन के दम पर आयरलैंड ने प्रोटियाज को 10 रनों से हरा दिया। यह आयरलैंड की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली टी20 जीत थी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी जीत है।

दो मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए, आयरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी बनाया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। जिसके जवाब में आयरलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए।

इस पारी में रॉस अडायर आयरलैंड के सितारे रहे, जिन्होंने सिर्फ 57 गेंदों में अपना पहला टी20 शतक जड़ा। उनकी धमाकेदार पारी में 9 शानदार छक्के शामिल थे, और कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने भी 31 गेंदों पर 52 रन की अहम पारी खेलते हुए उनके साथ 137 रनों की ओपनिंग साझेदारी की।

हालांकि आखिरी के ओवरों में आयरलैंड की टीम 43 रनों के अंदर 6 विकेट गंवा बैठी, फिर भी उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को 196 रनों का कठिन लक्ष्य दिया।

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी शुरुआत की, जहां रीजा हेंड्रिक्स ने लगातार दूसरा अर्धशतक (51 रन) बनाया और मैथ्यू ब्रीट्जके ने भी 51 रन जोड़े। ओपनर रयान रिकेल्टन ने 22 गेंदों पर 36 रनों की तेज पारी खेली, लेकिन बाद में दक्षिण अफ्रीका रन रेट के हिसाब से पीछे रह गई।

मार्क अडायर की 19वें ओवर की गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने लगातार दो गेंदों पर वियान मुल्डर और ब्रीट्जके का विकेट लिया और फिर बाद में एन. पीटर को भी आउट किया। अडायर ने 4-31 के शानदार आंकड़े दर्ज किए और अपनी टीम के लिए अहम योगदान दिया। आखिरी ओवर में ग्राहम ह्यूम ने भी कसी हुई गेंदबाजी, जिसमें उन्होंने सिर्फ 7 रन दिए और एक विकेट लिया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका की पारी 20 ओवर में 185-9 पर ही रुक गई।

यह जीत आयरिश क्रिकेट के लिए एक अहम पल था, क्योंकि वे इस क्रिकेट स्टेडियम में पिछले 8 टी20 मैचों में ऐसी पहली टीम बनी है जो पहले बल्लेबाजी करके जीत हासिल कर सकी है। इसके अलावा, यह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केवल उनकी दूसरी अंतरराष्ट्रीय जीत थी, पहली जीत एकदिवसीय मैच में आई थी।

टी20 मैचों की सीरीज बराबर होने के बाद अब दोनों टीमें तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जो बुधवार से अबू धाबी में शुरू होगी।

एक नजर

टीम इंडिया ने बांग्लादेश को 233 रनों पर किया ढेर, बुमराह ने बरपाया कहर

कानपुर । भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच कानपुर में खेला जा रहा है. बांग्लादेश ने मैच के चौथे दिन सोमवार को पहली पारी में ऑल आउट होने तक 233 रन बनाए. उसके लिए मोमिनुल हक ने दमदार प्रदर्शन किया. उन्होंने नाबाद शतक लगाया. मोमिनुल ने 194 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 107 रन बनाए. भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने घातक गेंदबाजी की. उन्होंने 3 विकेट झटके. मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने भी अच्छा परफॉर्म किया.

बांग्लादेश की शुरुआत खराब हुई थी. ओपनर जाकिर हसन जीरो पर ही आउट हो गए थे. शादमान इस्लाम 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे. वहीं कप्तान नजमुल हुसैन शंटो 31 रन बनाकर आउट हुए. मुशफिकुर रहीम 11 रन बनाकर आउट हुए. उन्होंने 32 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौके लगाए. शाकिब अल हसन 9 रन बनाकर आउट हुए. वहीं मेहदी हसन मिराज 20 रन बनाकर आउट हुए. उन्होंने 42 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौके लगाए.

मोमिनुल ने दमदार प्रदर्शन किया और वे अंत तक नाबाद रहे. उन्होंने 194 गेंदों का सामना करते हुए 107 रन बनाए. मोमिनुल ने इस दौरान 17 चौके और एक छक्का लगाया. खालिद अहमद जीरो पर आउट हुए. जबकि हसन मोहम्मद 1 रन बनाकर आउट हुए.

भारत के लिए बुमराह ने घातक बॉलिंग की. उन्होंने 18 ओवरों में 50 रन देकर 3 विकेट झटके. इस दौरान 7 मेडन ओवर भी निकाले. मोहम्मद सिराज ने 17 ओवरों में 57 रन देकर 2 विकेट लिए. उन्होंने 2 मेडन ओवर भी निकाले. रविचंद्रन अश्विन ने 15 ओवरों में 45 रन देकर 2 विकेट लिए. आकाश दीप ने 15 ओवरों में 43 रन देकर 2 विकेट लिए. रवींद्र जडेजा को भी एक विकेट मिला. उन्होंने 9.2 ओवरों में 28 रन दिए.

कानपुर टेस्ट के दौरान बारिश ने काफी परेशान किया. मैच के पहले दिन 35 ओवर हो पाए थे. इसके बाद बारिश की वजह से खेल को रोकना पड़ा. वहीं दूसरा दिन पूरी तरह से बारिश की वजह से धुल गया. तीसरे दिन भी एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी. मैच के तीसरे दिन बारिश तो नहीं हुई. लेकिन मैदान काफी गीला था.

एशिया के शनशाह बने रवींद्र जडेजा, 74वें टेस्ट में पूरा लगाया अनोखा तिहरा शतक

कानपुर । बांग्लादेश के साथ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले जा रहे टेस्ट मैच में भारतीय स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इतिहास रच दिया है. उन्होंने अपने 74वें टेस्ट मैच में एक विकेट लेते ही अपने 300 टेस्ट विकेट पूरे कर लिए हैं. इसी के साथ जड्डू टेस्ट में क्रिकेट में 300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले एशिया के पहले ऑलराउंडर बन गए हैं.

भारत के खिलाफ मोमिनुल हक ने जड़ा शतक, कानपुर टेस्ट में रचा इतिहास

कानपुर । बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ कानपुर टेस्ट की पहली पारी में 233 रन बनाए। इस दौरान मोमिनुल हक ने सोमवार को इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया।

मोमिनुल ग्रीन पार्क स्टेडियम में बारिश से प्रभावित दूसरे टेस्ट के दौरान भारतीय धरती पर टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बांग्लादेशी बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 172 गेंदों पर नाबाद 107 रनों की शतकीय पारी खेली।

35 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 16 चौके और एक छक्का लगाया। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर स्वीप के साथ अपना 13वां टेस्ट शतक पूरा किया और मुशफिकुर रहीम के बाद भारत में शतक बनाने वाले दूसरे बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गए।

बारिश के कारण ढाई दिन का खेल नहीं हो पाया था और चौथे दिन फिर से पारी को आगे बढ़ाते हुए, मोमिनुल ने दिन की शुरुआत अच्छी की। हालांकि, उन्हें अन्य बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला लेकिन वह टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में सफल रहे। उनके शतक ने न केवल बांग्लादेश को मैच में बनाए रखा बल्कि टीम में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर भी किया। अपना 65वां टेस्ट मैच खेल रहे मोमिनुल ने 37 से अधिक की औसत के साथ 4,200 से अधिक रन बनाए हैं। 13 शतकों और 19 अर्धशतकों के साथ, वह अब मुशफिकुर रहीम, तमीम इकबाल और शाकिब अल हसन जैसे दिग्गजों के बाद टेस्ट में बांग्लादेश के चौथे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण है हम पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजी में मेडल नहीं जीत सके : मैरी कॉम

नई दिल्ली । छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाजों के खराब प्रदर्शन पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि एक पदक विजेता होने के नाते, यह स्वाभाविक है कि उन्हें बुरा लगा है। पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत ने छह मुक्केबाजों की टीम भेजी थी, जिसमें दो पुरुष और चार महिलाएं शामिल थीं। इसमें टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन निकहत जरीन भी थीं।

मैरी कॉम ने आर्मी स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के दौरान कहा, ओलंपिक प्रदर्शन को देखकर दुख होता है कि हम 2024 ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सके। हमें यह देखना होगा कि आगे क्या सुधार करना है और किन गलतियों से बचना है।

पेरिस ओलंपिक में लवलीना (महिला 75 किग्रा) ऐतिहासिक दूसरा पदक जीतने से चूक गईं और क्वार्टर फाइनल में चीन की ली कियान से हार गई थीं।

वहीं, पुरुष 71 किग्रा वर्ग में निशांत देव क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन उन्हें मेक्सिको के मार्को वर्डे से हार का सामना करना पड़ा था।

दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (महिला 50 किग्रा), कॉमनवेल्थ चैंपियन अमित पंघाल (पुरुष 51 किग्रा) और प्रीति पवार (महिला 54 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में राउंड ऑफ 16 में हार गए।

सफलता की कहानी

वनांचल के 337 परिवारों की दशा बदलने में मददगार बना संदर्भ केन्द्र

भास्कर दूत

धमतरी। वनांचल क्षेत्र के 337 परिवारों की दशा बदलने एवं उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने में 7 गांवों के ग्रामीणों के लिए संदर्भ केन्द्र मददगार बन गया है। इन सात गांवों के ग्रामीणों ने जंगलों को आग से बचाकर पर्यावरण संरक्षित करने और कोकुन उत्पादन में अपनी सहभागिता निभाई। ग्राम मटियाबाहरा को वर्ष 2021 में 1129.659 हेक्टेयर जंगल का सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्राप्त हुआ। अधिकार मिलने के बाद सदस्यों ने इसे आजीविका के रूप में विकसित करने पर विचार किया। जिसमें नियम बनाया गया कि प्रतिमाह अनिवार्य रूप से ग्रामसभा आयोजित बैठक में 50 प्रतिशत से अधिक सदस्या उपस्थित होंगे तथा सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति के 11 सदस्य होंगे। इसी में से अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव नियुक्त किया गया। इसका पाक्षिक बैठक आयोजित करने पर विचार किया गया। ग्राम सभा सदस्यों द्वारा 15 खंडों में 5 साल तक नियम पालन करने और पांच साल पूरा होने के बाद चराई क्षेत्र, जलावन क्षेत्र, संरक्षित क्षेत्र में बदलाव करने का नियम बनाया गया, जिससे जंगल में चारों ओर घनत्व बना रहेगा, जो कम्पार्टमेंट 339, 340, 341 और 345 के अंतर्गत आता है।

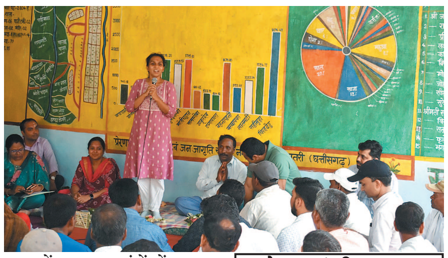

कोकून संग्रहित कर 12 लाख रूपये से अधिक आय अर्जित किया

जंगलों को आग से बचाकर किया पर्यावरण संरक्षण

ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा हर दिन चार लोग जंगल में अवैध कटाई, अवैध शिकार और आग से बचाने के बारी-बारी से श्रमदान की जरिए रखवाली करने जाते हैं। अब तक यह रख-रखाव प्रक्रिया चल रही है, जिसे स्थानीय भाषा में लोग ठेंगापाली का नाम दिया है। इसके चलते ग्राम भैसामुड़ा, खुदुरपानी, चंदनबाहरा, चारगांव में ठेंगापाली प्रक्रिया चाल रही है और इस साल जंगल में कोकुन का पैदावार खूब बढ़ा है। बता दें कि इस जंगल इससे पहले कभी कोकुन पैदावार नहीं होता था। आग से बचाव के चलते कोकुन का पैदावार बढ़ा, जो ग्रामसभा सदस्यों ने कभी सोचा नहीं था। वनांचल के 7 गांव मटियाबाहरा, भैसामुड़ा, खुदुरपानी, नयापारा चारगांव, पुरानी बस्ती चारगांव, चंदनबाहरा और तुमबाहरा के 337 परिवार को 5 रूपये प्रति कोकुन की दर से 12 लाख 15 हजार 700 रूपये का फायदा हुआ। इसके साथ ही प्रत्येक खंड को जीपीएस से क्षेत्रफल निकाला गया और प्रति हेक्टेयर में एक ग्रीन प्वाईंट तैयार कर सभी खंडों के जंगल के पेड़-पौधों का गणना किया गया। इसमें प्रति हेक्टेयर कितने पेड़ हैं और कितने प्रतिशत कौन-कौन प्रजाति के पेड़ हैं, इन सभी जानकारियों को ग्राम सभा में प्रदर्शित किया गया। इसके बाद ग्राम सभा द्वारा इस भवन को संदर्भ केन्द्र का नाम रखा गया। इस संदर्भ केन्द्र में गांव और जंगल की जानकारी उपलब्ध है।

प्रदेश का पहला प्रयोग

धमतरी जिले के वनांचल नगरी विकासखण्ड के वन संसाधन अधिकार वाले गांव मटियाबाहरा में जेएफएमसी (संयुक्त वन प्रबंधन समिति) और मनरेगा की राशि से स्टॉप डेम बनाया गया है। इससे उक्त गांवों के 76 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो रही है। साथ ही जल का संरक्षण में भी अहम् भूमिका निभा रहा है। इस स्टॉप डेम के बन जाने से ग्रामीणों वर्षो पुरानी मांग पूरी हो गयी है। वही किसानो, ग्रामीणों को सिचाई और निस्तारी की भी सुविधा मिल रही है। संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्य श्री भानुराम नेताम और सचिव श्री राधेश्याम नेताम के आग्रल पर मटियाबाहरा में 25 साल पुराना बांध का जीर्णोद्धार कर उस पर स्टॉप डेम बनाया गया, जिससे यहां के 40 किसानों के 90 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिल रही है। बांध निर्माण के लिये समिति द्वारा 9 लाख 56 हजार रूपये की राशि और मनरेगा से 2 लाख 76 हजार रूपये, कुल 12 लाख 32 हजार रूपये की लागत से उक्त स्टॉप डेम का निर्माण किया गया। गौरतलब है कि आगामी 5 एवं 6 अक्टूबर को जल एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिले के रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में जल जगार महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान जल सभा, वाटर ओलंपिक, जल अभिषेक, हाफ मैराथन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आसमान से कहानी इत्यादि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

घर- घर जल पहुंचने से मांगामार ग्रामवासी हुए खुश

जल जीवन मिशन योजना का मिल रहा ग्रामीणों को लाभ

कोरबा । कोरबा जिले के सुदूरवर्ती ग्राम मांगामार जो जिला मुख्यालय से लगभग 53 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, इस ग्राम की आबादी लगभग 2519 है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम में राशि रू. 145.34 लाख की रेट्रोफिटिंग योजना जिला जल एवं स्वच्छता मिशन कोरबा द्वारा स्वीकृत की गई थी। इस योजना के अंतर्गत ग्राम में 40 कि.ली. 15 मीटर उंचाई की 01 उच्चस्तरीय पानी टंकी, 3700 मीटर पाईप लाईन तथा 522 घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किये गये है। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर जल पहुंचने से ग्राम में खुशी का माहौल व्याप्त है। ग्राम की महिला हितग्राही श्रीमती समारिन बाई खाण्डेल ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि पेयजल के लिये हैण्डपंप तथा कुएं एवं अन्य स्त्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। गर्मी के दिनों में भू-जलस्तर कम होने से पानी की समस्या और भी विकराल हो जाती थी । जल जीवन मिशन के आने से अब यह समस्या लगभग दूर हो गई है योजना का सफल क्रियान्वयन में ग्राम सरपंच तथा ग्रामवासियों की सक्रिय सहभागिता रही है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से आए आमजनों की समस्याओं को सुना

भास्कर दूत

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने आज कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में सभी जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के विभिन्न दूरस्थ स्थानों से पहुंचे आमजनों की शिकायतों एवं मांग जैसे समस्याओं को पूरी गंभीरता से सुना और उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को त्वरित कार्यवाही करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। आज जनदर्शन में कुल 130 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आज जनदर्शन में तहसील बलौदा के ग्राम पंचायत बिरगहनी (ब) निवासी श्री मलरिहा सतनामी द्वारा रिकार्ड दुरूस्त करने, तहसील जांजगीर के ग्राम पंचायत तेन्दूभांठा निवासी श्रीमती जुगरी बाई साहू द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, तहसील अकलतरा के ग्राम निवासी श्री ईतवार दास द्वारा कोटवार के पद पर नियुक्ति दिलाने, तहसील नवागढ़ के ग्राम पंचायत बुड़ेना निवासी श्रीमती गायत्री बाई सूर्यवंशी द्वारा महतारी वंदन योजना का लाभ दिलाने, तहसील बाराद्वार के ग्राम भागोडीह निवासी विजयलक्ष्मी द्वारा अंत्योदय राशनकार्ड बनाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री छिकारा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करते हुए उचित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में अन्य आवेदकों द्वारा वन अधिकार पट्टा, रोजगार प्रदाय, नामांतरण, भूमि सीमांकन, आर्थिक सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड बनाने सहित कुल 130 आवेदन प्राप्त हुए।

राष्ट्रीय पोषण माह- जिले में विभिन्न गतिविधियों का किया जा रहा आयोजन

भास्कर दूत

जांजगीर-चांपा। सक्षम आंगनबाडी एवं पोषण 2.0 अंतर्गत पोषण अभियान जनसमुदाय तक स्वास्थ्य पोषण एवं स्वच्छता संबंधी व्यापक प्रचार प्रसार एवं प्रभावी व्यवहार प्ररिवर्तन हेतु जन आन्दोलन के रूप में प्रति वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के निर्देशन में जिले में राष्ट्रीय पोषण माह के द्वौरान एनिमिया, वृध्दि निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढाई भी, बेहतर प्रशासन व पारदर्शिता एवं कुशल सेवा वितरण के लिए प्रौद्योगिकी एवं समग्र पोषण थीम की पर गतिविधीयां आयोजित की जा रही है।

जिला कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत आज वेब कास्ट लाईव का आयोजन किया गया। जिसमें सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 (6 वर्ष के बच्चों, किशोरियों (14 से 18 वर्ष), गर्भवती एवं स्तनपान करने वाली माताओं के बीच कुपोषण का समाधान) परिवर्तन एवं समीक्षा प्रतिदिन लेने वाले आहार की दिनचर्या में विविधता या परिवर्तन अपनाने के लिए तथा आंगनबाड़ी केन्द्र में पोषण वाटिका उत्पादित किया गया है, उसका उपयोग व लाभ तथा जनसमुदाय में प्रचार-प्रसार करते हुए लाभ के बारे में बताया गया। समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुए स्वास्थ, स्वच्छता, पोषण का संदेश जनसमुदाय को दिया गया तथा राष्ट्रीय पोषण माह का समापन किया गया। समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों, जिला कार्यालय, परियोजना कार्यालय सहित 872 स्थानों में वेब कास्ट लाईव का आयोजन हुआ। जिसमें कार्यकर्ता, सहायिका, जनसमुदाय, महतारी वंदन के हितग्राही प्रतिभागी शामिल हुए।

गांधी के आदर्शों पर चलकर एकता भाईचारा को बढ़ावा देते शांति स्थापित करने का प्रयास कर रहीं महिला कमाण्डो

भास्कर दूत

बालोद। गांधीवादी तरीके से सामाजिक बुराइयों का खात्मा व अच्छाइयों को प्रोत्साहित करने तथा शासन की जन कल्यानकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने ताकि योग्य व्यक्ति को उसका लाभ मिले इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सन् 2008 से महिला कमाण्डों प्रारम्भ हुआ है। इन्हें नशामुक्ति एवं स्वच्छता के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी हेतु प्रशिक्षित किया गया है। यह पूर्णत: स्वंय सेवी है रात्रि कालिन अपने अपने ग्रामों में गस्त कर शराबी, जुआरी, असमाजिक तत्वों के उपर नकेल कसने का प्रयास करती है। मतदाता जागरूकता, स्वच्छता, बालिका शिक्षा, कन्या भ्रूण हत्या, महिला साक्षरता, घरेलू हिंसा, सामुहिक आदर्श विवाह जैसे विषयों पर परिस्थिति अनुसार कार्य करती है। ग्रामों में इनके कार्यों के फलस्वरूप एकता भाईचारा को बढावा मिल रहा है तथा ये शांति स्थापित करने का प्रयास कर रही है। ये किसी भी हालात में कानून को अपने हाथों में नही लेती है, बिल्कुल गांधीजी के आदर्श पर चलकर उसे पूरा करने का सफल प्रयास करती है। इनके कर्तव्य निष्ठा और अनुशासन के फलस्वरूप जिला, राज्य, देश, विदेशों में भी बालोद जिला को महिला कमाण्डों के नाम से जाना जाता है। इनकी कार्यशैली को देखकर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, आम नागरिक भी अपना सहयोग प्रदान कर रहे है। बालोद जिला से प्रेरित होकर नागपुर महाराष्ट्र के वलनी गाँव में पचास महिलाएं महिला कमाण्डो बन कर कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

आरकेसी ग्रुप ने रामघाट मुक्तिधाम के लिए दिए सात नग सीलिंग फेन

बालोद। आरकेसी ग्रुप की तरफ से बालोद रामघाट मुक्तिधाम हेतु सात नग सीलिंग पंखा,एक नग कार्डलेस माइक,एक सेट साउंड सिस्टम, मुख्य नपा अधिकारी सौरभ शर्मा एवम नपा अध्यक्ष विकाश चोपड़ा को सप्रेम भेंट किया गया। पालिका अध्यक्ष को सामग्री सौंपते हुए बीजेपी के पार्षद कमलेश सोनी साथ में शामिल हुए। इनके अलावा नरेंद्र सोनवानी, समीर खान,आर के सी ग्रुप के संचालक राजेश चोपड़ा आदि थे। राजेश चोपड़ा ने कहा कि सामाजिक संस्था यदि रचनात्मक सोच के साथ प्रशासन के साथ साझा करके कोई अच्छा कार्य करे तो शहर हो या गांव विकाश को नई दिशा मिल सकती है।

सतरंगी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा वरिष्ठों का सम्मान आज

सक्ती। सतरंगी म्युजिकल ग्रुप के द्वारा आगामी 2 अक्टूबर को नगर के जेबीडीएवी हायर सेकंडरी स्कूल कसेरपारा में वरिष्ठ जन सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसे मुख्य अतिथि के रूप में अनुविभागीय अधिकारी अरुण कुमार सोम मौजूद रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी एन.के. चंद्रा एवं जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शालू पाहवा मौजूद रहेंगी। दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होने वाले कार्यक्रम में नगर के अनुनय कान्वेंट स्कूल, गुंजन स्कूल, लिटिल फ्लावर स्कूल तथा जेबीडीएवी स्कूल का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। सतरंगी म्यूजिकल ग्रुप की मनीषा भारद्वाज ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ जनों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही पुराने समय के गानों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजक सतरंगी म्यूजिकल ग्रुप के पदाधिकारियों संगीत प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

साल भर उपस्थिति दर्ज करने के नाम पर हो रही लाखों में सौदेबाजी बीएड के लिए दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

जांजगीर-चांपा। शिक्षक बनने के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण बेचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड) में प्रवेश के लिए दूसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। पहली बार पंजीकृत पात्र अभ्यर्थियों को पहली सूची से बची सीटों का आवंटन किया गया है। इस सूची के अनुसार प्रशिक्षणार्थी संबंधित कालेजों में प्रवेश के लिए पहुंच रहे हैं, जहां फीस को लेकर कई तरह का खेल होने की बात कही जा रही है। जिले के बीएड कालेजों में प्रवेश लेने पहुंच रहे प्रशिक्षणार्थियों को साल भर उपस्थिति की छूट के एवज में एक वर्ष के लिए लाख रुपए व दो साल के लिए पौने दो लाख से दो लाख रुपए तक फीस वसूले जा रहे हैं। बीएड प्रशिक्षण के क्षेत्र में प्रदेश भर में चर्चित जांजगीर-चांपा जिले में 16 निजी बीएड कालेज हैं। इनमें प्रवेश के समय ही प्रशिक्षणार्थियों से दो वर्ष के कोर्स का सौदा किया जा रहा है। जिला मुख्यालय जांजगीर में ही 7 कालेज का संचालन हो रहा है। इनमें से एक कालेज में प्रवेश के लिए पहुंचे अभ्यर्थी ने बताया कि कालेज पहुंचने पर उसे कुछ लोग मिले और कोर्स फीस से संबंधित चर्चा करने लगे। उसे बताया गया कि साल भर कालेज नहीं आने के लिए उसे निर्धारित फीस से अलग रकम खर्च करनी होगी। साल भर के लिए निर्धारित फीस 35 हजार बताया गया और कक्षा से अनुपस्थित रहने की सुविधा के लिए 75 हजार रुपए की मांग की जा रही है। कुछ यही किस्सा एक दूसरे कालेज में प्रवेश लेने पहुंचे अभ्यर्थी ने बताया कि उससे 35 हजार रुपए फीस लिया गया है। साथ ही बताया गया कि परीक्षा फीस व विश्वविद्यालय से संबंधित अन्य फीस उसे अलग से भरना होगा। साथ ही कालेज की उपस्थिति से छूट के लिए अलग से पैसे की बात कही गई, जिसके संबंध में बाद में संचालक से बात करने कहा गया। कुछ अभ्यर्थियों ने यह भी बताया कि करीब 3 माह तक स्कूलों में इंटर्नशिप तथा प्रायोगिक परीक्षा के लिए भी अलग से पैसे देंगे होंगे। प्रवेश के लिए पहुंचे प्रशिक्षणार्थियों का यही कहना रहा कि अब वे संबंधित कालेजों के चंगुल में दो साल के लिए फंस गए हैं। इस दौरान उनकी सभी तरह की मांगों की पूर्ति करना उनके लिए अनिवार्य हो गया है।

निजी स्कूलों में कार्यरत शिक्षक फंस रहे जाल में

निजी कालेजों से बीएड करने के लिए शासन द्वारा सीधे तौर पर फीस और अन्य दिशा-निर्देश निर्धारित कर दिए गए हैं, लेकिन कुछ अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्हें वर्तमान में चल रहे कामकाज के साथ बीएड करने की सुविधा चाहिए होती है। इसके लिए वे बीएड कालेज संचालकों की हर जायज- नाजायज मांगों की पूर्ति करने तैयार रहते हैं और इसका फायदा कालेज संचालक बखूबी उठाते हैं। इसमें सबसे ज्यादा निजी स्कूलों में शिक्षक बतौर कार्य कर रहे अभ्यर्थी फंसते हैं, जो चाहते हैं कि उनको अपने स्कूल को जारी रखने के साथ बीएड पूरा करने का मौका मिल जाए।

एनसीसी कैडेटों ने किया श्रमदान ली स्वच्छता की शपथ

जांजगीर-चांपा। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्र 1 जांजगीर (सेजेस) के एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया। कैडेटों ने हाई स्कूल मैदान एवं विद्यालय परिसर में फैले गंदगी को दूर करने श्रमदान दिया। प्राचार्य बैशाखी पारिया व एनसीसी अधिकारी दिनेश चतुर्वेदी ने संबोधित किया। सप्ताह में दो घंटे सफाई करने शपथ भी दिलाया।

नवरात्र पर्व के अवसर पर जिले में आपसी सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता-अभिषेक सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार

भास्कर दूत

बलौदाबाजार । आज दिनांक 01.10.2024 को दोपहर 01ः00 से पुलिस कार्यालय सभा कक्ष बलौदाबाजार में आगामी नवरात्र पर्व में आपसी सौहार्द, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिले के समस्त दुर्गा पंडाल अध्यक्ष एवं गरबा-डांडिया आयोजकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा कहा गया कि नवरात्र पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसके लिए आप सभी का सहयोग एवं नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। धार्मिक आयोजन में किसी भी प्रकार के अभद्र, फूहड़ फिल्मी गानों एवं नृत्य का प्रदर्शन न किया जाए। सांथ ही माननीय उच्च न्यायालय, शासन प्रशासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के संबंध में बताया गया। नवरात्र पर्व एवं गरबा डांडिया कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न हो सके, इसके लिए समस्त दुर्गा पंडाल समिति एवं गरबा कार्यक्रम समिति के पदाधिकारियों से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर निम्न स्पष्ट निर्देश दिए गए है-

1. दुर्गा पंडाल किसी भी स्थिति में रोड बीच में नही लगावे, आने-जाने वाले लोगों को परेशानी ना हो एवं सामान्य यातायात में बाधा उत्पन्न ना हो।
2. पंडाल में लगे समस्त विद्युत कनेक्शनों की इलेक्ट्रिकल सेफ्टी या (PWD/O&M) से विधिवत जांच करा लेवे। किसी भी स्थिति में पंडाल के भीतर लाइटिंग के कारण करेंट रिसाव ना हो। अगर कोई दुर्घटना होती है, तो इसके लिये जवाबदारी संबंधित आयोजक की ही होगी।
3. प्रत्येक पंडाल में पर्याप्त संख्या में सिक्योरिटी गार्ड एवं वालिंटियर्स की व्यवस्था की जावे, जिससे आमजनता के वाहन सुनियोजित तरीके से पार्किंग की जा सके। इन सिक्योरिटी गार्ड एवं वालिंटियर्स की मीटिंग पंचमी से पूर्व संबंधित थाना/चौकी में ली जावेगी एवं आवश्यक निर्देश दिये जायेंगे।
4. प्रत्येक पंडाल में आगजनी से बचाव हेतु पर्याप्त संख्या में अग्निशामक यंत्र एवं पानी के टैंकर की व्यवस्था हो, ताकि किसी भी आगजनी से संभावित दुर्घटना को तत्काल रोका जा सके।
5. प्रत्येक पंडाल में ष्टष्टञ्जङ्क इंस्टाल करे एवं उसकी सतत् मानिटरिंग की व्यवस्था रखें ताकि पंडाल में या आसपास किसी भी घटना को कोई अंजाम ना दे पावे।
6. दुर्गा पंडाल एवं गरबा-डांडिया कार्यक्रम में उपयोग किये जाने वाले ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संबंध में दिनांक 11.09.2024 को विशेष सचिव छ.ग.शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरश: पालन सही भावना के अनुरूप करना सुनिश्चित करें।
7. प्रत्येक पंडाल में रात्रि में पर्याप्त संख्या में आयोजकगण या समिति के सदस्य उपस्थित रहे ताकि पंडाल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।
8. पंडाल में भूल-भुलैया, बडी, लंबी गुफाएं अक्सर भीड के समय दुर्घटना का कारण बनती है। इस तरह की झांकी बनाने से बचें।
9. प्रत्येक पंडाल अपने दुर्गा विसर्जन का कार्यक्रम एवं विसर्जन का रास्ता, विसर्जन कार्यक्रम के 03 दिन पूर्व संबंधित थाना/चौकी को उपलब्ध करावे एवं इस दौरान विशेष सचिव छ.ग.शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग महानदी भवन मंत्रालय रायपुर द्वारा जारी पत्र क्र. एफ-4-8/2019/32 दिनांक 11.09.2024 तथा पुलिस अधिनियम 2007 की धारा 23 का छ एवं 34 में जारी निर्देशों का पालन करें।

स्वच्छता ही सेवा के तहत स्कूलों में आयोजित किया गया चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता

भास्कर दूत

धमतरी। स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिले में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों, सार्वजनिक स्थलों, कार्यालयों इत्यादि की साफ, सफाई की जा रही है। वहीं स्कूलों में भी साफ-सफाई के साथ ही निबंध, चित्रकला आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रहीं हैं। इन्हीं कार्यक्रमों में बीते दिन शासकीय हाईस्कूल सांकरा, चिंवर्री, सिलीडीह और हायर सेकेण्डरी स्कूल मगरलोड में निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्वच्छता ही सेवा के तहत शासकीय हाईस्कूल सिलीडीह की कक्षा नवमीं की विद्यार्थी वीणा यादव, मेघा निषाद और दसवीं की मोनिका यादव ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया, वहीं निबंध प्रतियोगिता में कक्षा नवमीं की खुशबू निषाद और यशी निषाद पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

वृद्धजनों से मिला अनुभव ही समाज को मजबूत बनाता है- कलेक्टर

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर भास्कर दूत ने किया वृद्धजनों का सम्मान

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के मौके पर एक अक्टूबर को लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र भास्कर दूत के बैनर तले शहर के होटल अवाना में समारोह आयोजित कर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान शाल व श्रीफल देकर किया गया। साथ ही सभी को एक-एक पौधा भेंट किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर संजय अग्रवाल थे।

भास्कर दूत के प्रधान संपादक दुष्यंत दास के निर्देशन में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर भास्कर दूत द्वारा यह आयोजन बहुत ही सराहनीय है। आज का दिन विशेष है। वैसे तो साल के 365 दिन विशेष होते हैं। आज का अवसर विशेष है, क्योंकि आप सभी वरिष्ठजनों को सम्मान करने हेतु यहां पर आमंत्रित किया गया है। हमें जो अनुभव आप सब वरिष्ठजनों से मिलता है। आप सब वरिष्ठों को 60, 70, 80 सालों का जो अनुभव है। अगर हम सब आप सभी के अनुभव का थोड़ा-थोड़ा भी अनुभव उठाएं तो हम सबके जीवन में कुछ न कुछ और अच्छा हो सकता है। आप सबके अनुभव से हमें सबक मिलता है, कि जो भी गलतियां हमसे हुई हैं, उन्हें हम फिर नहीं दोहरायेंगे। किंतु अक्सर ऐसा होता नहीं है। समय के साथ हमें लगता है कि यह सब पुराने समय में होता था, अब नहीं होता, किंतु ऐसी बात नहीं है। मुझे लगता है कि हम लोग गलत सोचते हैं। कुछ चीजें ऐसी होती हैं कि वर्तमान में टेक्नालॉजी के कारण हम थोड़ा आगे निकल चुके हैं। समय का चक्र चलते रहता है। घूम-फिरकर बात वहीं आ जाती है। आप सब वरिष्ठजनों के अनुभवों का हमें लगातार फायदा उठाना चाहिए। आप लोगों ने अपने अनुभवों जो सीखा, वह समाज को बहुत मजबूत बनाता है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि यह बहुत खुर्शी की बात है कि संस्कारधानी में बहुत सी ऐसी परंपराएं हैं, जिन्हें आज पर्यंत बरकरार रखा गया है। आज की पीढ़ी और युवा भी आप सब वरिष्ठजनों के बताए मार्ग का अनुसरण कर परंपरा का निर्वाहन कर रहे हैं और उस पर आगे बढ़ रहे हैं। हम गणेश उत्सव की बात करें तो आज चौथी पीढ़ी के युवा और बच्चे भी उस परंपरा का पालन करते आ रहे हैं। उन्होंने शहर की सेवाभावी संस्था उदयाचल का जिक्र करते हुए कहा कि 1968 में उदयाचल का निर्माण हुआ था। उस दौरान भी वहां के लोगों ने भी जो समाज सेवा को लेकर कल्पना की थी, उन्हीं लोगों के बच्चे भी उसी समाज सेवा कार्य को आगे बढ़ाते आ रहे हैं। इस कार्य में न सिर्फ उनके बच्चे बल्कि उनकी बहुएं भी जुड़ी हुई हैं। यह शहर और जिले की सबसे अच्छी बात है, इसीलिए राजनांदगांव को संस्कारधानी के नाम से जाना जाता है। राजनांदगांव के सेवा भाव को देखकर हमें प्रेरणा मिलती है कि हम अपने समाज को कैसे मजबूत करें, जरूरतमंदों की किस तरह से मदद करें। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए हमें चाहिए कि ऐसा कुछ करें, जिससे जरूरतमंदों के चेहरों पर खुशी दिख सके। आप सबने हमें जो कुछ सिखाया है, आज उसी परंपरा को लेकर हमें आगे बढ़ने की जरूरत है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि अगर हमारे पास जरूरी सुविधाएं हैं, सारे संसाधन हैं और घर-परिवार में रहने वाले खुश नहीं हैं तो मेरा खुश होने का कोई मतलब नहीं रह जाता। यदि मेरी कोई बड़ी उपलब्धि है और उस उपलब्धि से मेरे घर-परिवार के लोगों को खुशी नहीं मिल रही है तो वह उपलब्धि मेरे लिए बेकार है। मेरी खुशी से मेरे आसपास और शहर के लोगों को खुशी होती है, तभी मेरे खुश होने का कोई मतलब रह जाता है। हमारा मन जिस तेजी से दौड़ता है, उस रफ्तार से हमारा शरीर नहीं चल पाता है। मन करता है हम यह कर लें, वह कर लें, 20-30 साल पहले जो हम करते थे, वैसा कर लें, किंतु जब शरीर साथ नहीं दे पाता तो हमें ऐसा कुछ करना चाहिए, जिसे आज की पीढ़ी के माध्यम से हम पूरा कर सकें।

अब जब आप वृद्धावस्था में हैं तो आज की पीढ़ी को चाहिए कि हम ऐसा कुछ करें, जिससे आपके मन की बात पूरी हो सके। यह हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए। आज वृद्धजनों को किसी चीज की जरूरत नहीं है, न ही उन्हें धन की जरूरत है, बल्कि समय की जरूरत है, इसीलिए हमें चाहिए कि बुजुर्गों को ज्यादा से ज्यादा समय दें। आज की पीढ़ी अपने वृद्ध माता-पिता, दादा-दादी को अधिकाधिक समय दें, ताकि उन्हें अवस्था में किसी बात की कमी महसूस न होने पाए।

उन्होंने अपने चचेरे भैया का उदाहरण देकर बताया कि वह बहुत व्यस्त रहते हैं, इसके बावजूद वह सुबह पूजा करने के बाद अपनी माता जी के पास जाकर उन्हीं के हाथ का नाश्ता करते हैं। उसके बाद ही वह अपनी ड्यूटी पर निकलते हैं और जब वापस आते हैं तो सबसे पहले वह अपनी माता जी के कमरे में जाते हैं और पांच-दस मिनट बैठकर हालचाल पूछते हैं। इस तरह से उन्होंने मां के हाथों से प्रसाद ग्रहण करने का परमानेंट नियम बना लिया है। इससे मां को भी अच्छा लगता है कि मेरा बेटा रोज सुबह-शाम मेरे पास आता है और हालचाल पूछता है। यदि हम भी अपनी आदत में इन बातों को शामिल कर लें तो यह बहुत अच्छी सीख होगी।

मन ही मनुष्य के शरीर का सबसे बड़ा शत्रु- दीपक बुद्धदेव

दैनिक दावा के प्रधान संपादक दीपक कुमार बुद्धदेव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मन बहुत चंचल होता है। वह तो बहुत कुछ करना चाहता है, लेकिन शरीर बताता है कि अब आप वृद्ध हो चले हो। हमें अपने मन को काबू पर रखना जरूरी है, क्योंकि मन ही मनुष्य के शरीर का सबसे बड़ा शत्रु है।

वरिष्ठजनों का सम्मान हर दिन, हर पल हो- एचबी गाजी

शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता एचबी गाजी ने कहा कि अंतर्गतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस प्रतिवर्ष एक अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वृद्धजन के कल्याण के लिए जागरूकता बढ़ाना और उनके योगदान को सम्मान देना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 14 दिसम्बर 1990 को संकल्प पारित कर एक अक्टूबर को अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया गया था। पहली बार यह दिन एक अक्टूबर 1991 को मनाया गया था। इस दिन वरिष्ठ नागरिकों केहित के लिए चिंतन भी किया जाता है और उनके बारे मे जागरूता बढ़ाने पर जोर दिया जाता है।इस दिवस का उद्देश्य वृद्ध लोगों के साथ होने वाले भेदभाव, अपमान जनक व्यवहार को खत्म करना है। वैसे तो वरिष्ठजनो का सम्मान हर दिन हर पल, हमारे मन में होना चाहिए। विश्व में वृद्धो के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा, दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने के उद्देश्य से इस दिन को चिन्हित किया गया है। बचपन से ही हमें शिक्षा दी जाती है कि हमे अपने बडों का सम्मान करना चाहिए। वरिष्ठजन हमारे घर के लिए होते हैं। बुजुर्गो का आर्शीवाद बहुत भाग्य वालो को मिलता है। इस दिन न सिर्फ बुजुर्गो के प्रति उदार होने का संकल्प लेना चाहिए, बल्कि बुजुर्गो की देखभाल की जिम्मेदारी समझना चाहिए।

कार्यक्रम में बना रहा हंसी-मजाक का माहौल

स्वागत-सम्मान के लिए वरिष्ठजनों के साथ ही अधेड़ उम्र की महिला-पुरूषों को भी आमंत्रित किए जाने पर कुछ लोगों के द्वारा यह कहा गया कि वे खुद को वृद्धजन नहीं मानते। इतना जरूर है कि आप हमारा सम्मान कर रहे हैं तो इसके लिए शुक्रिया, किंतु हम अभी वृद्ध नहीं हुए हैं। इन बातों को सुनकर सभा में हंसी-मजाक का माहौल बना रहा। इस दौरान कुछ महिलाओं ने अधिवक्ता शारदा तिवारी को राजनांदगांव की युवा बेटी की संज्ञा दी, जिस पर भी लोगों की हंसी फूट पड़ी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ भास्कर दूत के संपादक दुष्यंत दास की वयोवृद्ध माता जी केशर दास, रिटायर्ड जज श्रीमती शकुंतला दास, दामोदर दास मूंदड़ा सहित वृद्धजनों के द्वारा भगवान के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान हुआ। कार्यक्रम को भूतपूर्व सीएमओ डीसी जैन, डीएन साव, श्रीमती सुषमा सिंह आदि ने संबोधित किया। स्वागत भाषण अधिवक्ता अमलेंदु हाजरा ने दिया।

इन वरिष्ठों का किया गया सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सीएमओ डीसी जैन, उद्योगपति दामोदर दास मूंदड़ा, पूर्व सैनिक श्यामराव खटोले, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एचएल मोतीरमानी, दैनिक दावा के संपादक दीपक कुमार बुद्धदेव, कारगिल युद्ध के सैनिक एमआर डड़सेना, उद्योगपति सुशील पसारी, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष शरद अग्रवाल, अधिवक्ता नरेंद्र ठाकुर, समाजसेवी इंदरचंद कोठारी, समाजसेवी विनोद सिंह, समाजसेवी श्रीकिशन खंडेलवाल, समाजसेवी उमेश जोशी, शिक्षाविद् डीएन साव, वरिष्ठ अधिवक्ता एचबी गाजी, वरिष्ठ बैंक अधिकारी रामकृष्ण तिवारी, समाजसेवी हरजीत सिंह भाटिया, समाजसेवी कचरू प्रसाद शर्मा, शिक्षाविद डॉ. केएल टांडेकर, समाजसेवी खूबचंद पारख, पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती शकुंतला दास, शिक्षाविद डॉ. हेमलता महोबे, वरिष्ठ अधिवक्ता शारदा तिवारी, समाजसेवी महिलागण श्रीमती सुशीला महेश्वरी, मूलीबाई शर्मा, सुशीला शर्मा, वयोवृद्ध केशर दास वैष्णव, अनिता जैन, शोभा चोपड़ा, डॉ. साधना तिवारी, सुषमा सिंह आदि वरिष्ठजनों का सम्मान शाल व श्रीफल देकर सम्मान किया गया। साथ ही सभी को पौधे भेंट किए गए। आभार प्रदर्शन श्रीमती अर्चना दास द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का संचालन आमोद श्रीवास्तव ने अपने बखूबी अंदाज में किया। आभार प्रदर्शन भास्कर दूत के प्रबंध संपादक दिग्विजय दास ने किया। उन्होंने कलेक्टर श्री अग्रवाल द्वारा अपने चचेरे भाई की अच्छी आदत को लेकर दी गई जानकारी दी कि मेरे पिता श्री दुष्यंत दास जी भी रोजाना मेरी दादी यानि अपनी माता जी के पास रोजाना सुबह बैठते हैं। उनसे बातें करते हैं। फिर दादी के हाथों से बनी रोटी को गौ माता को खिलाने के बाद मां-बेटे एकसाथ नाश्ता करते हैं। उनकी इन बातों को सुनकर लोगों ने जमकर तालियां बजाकर खुशी जताई। भास्कर दूत के प्रधान संपादक दुष्यंत दास दिल्ली प्रवास पर होने के कारण शामिल नहीं हो पाए। इस आयोजन में समाजसेविका एवं ओ कान्हा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना दास, हिमांशु याग्रिक, आमोद श्रीवास्तव, पूर्व लोकपाल आनंद वर्गिस, अधिवक्ता अमलेंदु हाजरा, गुरबेज सिंह माखिजा, हिमांशु रायचा, अर्पण खण्डेलवाल, अक्षय रायचा, आशीष ठक्कर, प्रिती वैष्णव, नेहा वैष्णव डॉ. नुपूर सोनकर एवं भास्कर दूत के मार्केटिंग इंचार्ज कन्हैया निर्मलकर की अहम भूमिका रही।

विस अध्यक्ष जिले के प्रवास पर

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 2 अक्टूबर को राजनांदगांव जिले के प्रवास पर रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 2 अक्टूबर को सुबह 10 बजे रायपुर से कार द्वारा प्रस्थान कर सुबह 11.30 बजे विधानसभा अध्यक्ष निवास राजनांदगांव पहुंचेंगे। विधानसभा अध्यक्ष सुबह 11.40 बजे से दोपहर 12.45 बजे तक दुर्गा चौक लखोली में स्वच्छता पखवाड़ा तथा महात्मा गांधी की मूर्ति में माल्यार्पण कार्यक्रम तथा दोपहर 1 बजे से दोपहर 1.45 बजे तक गांधी सभागृह नगर निगम स्कूल जीई रोड राजनांदगांव में स्वच्छता दीदीयों के सम्मान कार्यक्रम में शामिल होंगे। डॉ. रमन सिंह दोपहर 2 बजे विधानसभा अध्यक्ष निवास पहुंचेंगे और शाम 5 बजे विधानसभा अध्यक्ष निवास राजनांदगांव से रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कल से शहर में शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता

राजनांदगांव (भास्कर दूत)। 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 3 से 6 अक्टूबर तक राजनांदगांव जिले में किया जाएगा। प्रतियोगिता में हॉकी बालक व बालिका 19 वर्ष, बास्केटबॉल बालक व बालिका 17 वर्ष एवं 19 वर्ष, तैराकी बालक व बालिका 14 वर्ष, 17 वर्ष एवं 19 वर्ष, वॉटरपोलो बालक 19 वर्ष, बेसबॉल बालक व बालिका 17 वर्ष, शतरंज बालक व बालिका 14 वर्ष, 17 वर्ष एवं 19 वर्ष खेलों का आयोजन होगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 3 अक्टूबर सुबह 11 बजे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम गौरव पथ राजनांदगांव में आयोजित किया गया है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहेंगे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद मधुसूदन यादव करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, रमेश पटेल, भरत वर्मा, संतोष अग्रवाल, कोमल सिंह राजपूत उपस्थित रहेंगे। 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह 6 अक्टूबर 2024 को दोपहर 1 बजे अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम गौरव पथ राजनांदगांव में आयोजित किया जाएगा।

दैनिक
भास्कर दूत
हर ख़बर पर नज़र
दिल में छत्तीसगढ़

रायपुर, बुधवार 02 अक्टूबर 2024

शराब घोटाला, अरुणपति त्रिपाठी व ढिल्लन की जमानत याचिका पर एक महीने बाद आया हाई कोर्ट का फैसला

भास्कर दूत

बिलासपुर ! शराब घोटाला मामले में आरोपी अरुणपति त्रिपाठी और त्रिलोक सिंह ढिल्लन की ज़मानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है. आरोपियों ने EOW द्वारा शराब घोटाला मामले में दर्ज एफआइआर को चुनौती दी थी ! याचिकाकर्ताओं ने इसे आधार बनाकर जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर जस्टिस अरविंद वर्मा की कोर्ट में सुनवाई हुई, दोनों पक्षों को सुनने के बाद बीते माह हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, ! एक महीने बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है ! बता दें कि ED ने शराब घोटाले मामले में मई 2023 में आबकारी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और शराब वितरण कंपनी सीएसएमसीएल के पूर्व एमडी अरुण पति त्रिपाठी को गिरफ्तार किया था. पूछताछ के बाद ईडी ने चालान पेश किया था, मामले की सुनवाई के बाद ईडी की विशेष अदालत ने त्रिपाठी को जेल भेज दिया था! त्रिपाठी ने ईडी के विशेष अदालत में जमानत अर्जी लगाई, जमानत आवेदन खारिज होने पर अपने अधिवक्ता के जरिये हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी! हाईकोर्ट ने पहली बार जमानत खारिज कर दिया, लेकिन दूसरी बार में जमानत दे दिया था. !

इसी दौरान EOW ने शराब घोटाले और नकली होलोग्राम पर केस दर्ज कर जांच शुरू की, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए EOW ने एपी त्रिपाठी और कारोबारी त्रिलोक ढिल्लन को गिरफ्तार क्र जेल भेज दिया ! गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए ढिल्लन व त्रिपाठी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में अलग अलग याचिका दायर की थी ! याचिकाकर्ताओं ने ईडी और एसीबी की कार्रवाई को झूठा बताते हुए कहा, कि जिस प्रकरण में उन्हें पहले से जमानत मिल गई है! अब उसी मामले में EOW ने दूसरी बार FIR किया है, जो अवैधानिक है! मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने जमान दें से इंकार करते हुए याचिका बको खारिज कर दिया है !

अरुणपति त्रिपाठी और शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन ने EOW द्वारा शराब घोटाले में दर्ज FI को चुनौती दी थी, मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने आर्डर रिजर्व रख लिया था! एक महीने बाद कोर्ट का फैसला आया है !

भव्य सशस्त्र सैन्य समारोह : रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 5 और 6 अक्टूबर को सैन्य प्रदर्शनी का आयोजन

भास्कर दूत

मेले में दिखेगा इंडियन आर्मी का जौहर

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 5 और 6 अक्टूबर को सैन्य शक्ति प्रदर्शन आर्मी मेले का एक बड़ा आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भारतीय सैनिकों का जौहर देखने का मौका मिलेगा. इस आर्मी मेले में स्ट्रेला 10 एम, टी- 90 भीष्म टैंक, जेडीयू 23 गन और 105 आर्टिलरी एमएम लाइट फील्ड गन जैसे आधुनिक हथियार और उपकरणों को भी लोग नजदीक से देख सकेंगे.

जवानों की टोलियों का सिलसिला जारी

जवानों के आने का सिलसिला शुरू हो गया. जवानों के रायपुर पहुंचते ही कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने गाजे-बाजे और माला पहनाकर उनका स्वागत किया. हाल के सालों में सेना का इस तरह का प्रदर्शन छत्तीसगढ़ में पहली बार होने जा रहा है. अब तक जवानों की 3 टोलियां मिलाकर करीब 150 से ज्यादा जवान रायपुर पहुंच चुके हैं. छत्तीसगढ़ में सरकार भी प्रमोट कर रही है. रायपुर जिला प्रशासन के तत्वाधान में भव्य सशस्त्र सैन्य समारोह को लेकर खासा उत्साह भी देखा जा रहा है. आयोजन के पीछे सेना की कोशिश ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की है. अभी से करीब 30 हजार से ज्यादा भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है. इसको लेकर तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है. केलक्टर गौरव कुमार सिंह ने कहा कि जवानों के आने का सिलसिला जारी है. रायपुर में 5 और 6 अक्टूबर को सैन्य प्रदर्शनी आयोजित किया गया है, जिसमें जवानों की जाबाजी और सैन्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा. तैयारी पूरी की जा रही है. अब तक तीन टुकड़िया रायपुर पहुंच चुकी है. उन्होंने बताया कि रायपुर रेलवे स्टेशन में जवानों का स्वागत कर रहे हैं ताकि जब जवान यहां से वापस जाएं तो यहां के अनुभव और संस्कृति को वहां साझा करें. इस दौरान कलेक्टर गौरव कुमार सिंह ने बस में बैठे और जवानों से भी हाल चाल जाना. जानकारी के अनुसार, दो दिवसीय आयोजन में भारतीय सेवा के विशेष बल कमांडो का स्लोदरिंग प्रदर्शन, बाइक शो, घुड़सवार का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र होंगे।

डांसर गर्ल के साथ एएसआई को ठुमका लगाना पड़ा भारी , एसपी ने किया सस्पेंड़

भास्कर दूत

जांजगीर। छत्तीसगढ़ के जांजगीर में डांस गर्ल के साथ ठुमके लगाना एक एएसआई को महंगा पड़ गया। वीडियो वायरल होने के बाद एएसआई की सोशल मीडिया में खूब किरकिरी हुई। मामले को एसपी ने संज्ञान लेते हुये एएसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, ये पूरा मामला 30 सितंबर की रात थाना बिर्रा के ग्राम सोनादह का है। रात में डांस आर्केस्टा का कार्यक्रम गांव में रखा गया था। लड़कियों के डांस के दौरान सउनि फुलेश्वर सिंह सिदार भी पुलिस ड्रेस में डांस करते डांस गर्ल को पैसे दे रहे थे। इस बीच डांस का वीडियो किसी ने मोबाइल से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

एसपी को जब इसकी शिकायत मिली तो तत्काल संज्ञान में लेते हुये एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया है। फुलेश्वर सिंह सिदार बिर्रा थाने में पदस्थ थे। अब उन्हें निलंबित कर रक्षित केंद्र जांजगीर चांपा संबद्ध किया गया है।

रायपुर पुलिस की हिमाचल और दिल्ली में छापेमारी

मुख्य ड्रग्स तस्कर नाइजीरियन, होटल संचालक सहित तीन गिरफ्तार...

भास्कर दूत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की रायपुर पुलिस ने सिंथेटिक ड्रग्स ट्रेल का भंडाफोड़ किया है। साथ ही हिमाचल और दिल्ली में रेड कार्रवाई कर मुख्य ड्र्ग्स तस्कर सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों में मुख्य तस्कर नाइजीरियन है। इसी तरह हिमाचल के मनाली में रेड कार्रवाई करते हुए होटल संचालक को अरेस्ट किया गया है। आरोपी होटल की आड़ में एमडीएमए ड्रग्स बेचा करता था। पैडलरों के कब्जे से 16 लाख का ड्र्ग्स पुलिस ने जब्त किया है। दरअसल, राजधानी में नशे के कारोबारी और तस्करी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। नारकोटिक्स एक्ट पर कड़ी कार्रवाई करने एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की विशेष टीम का गठन किया गया है। साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

इसी के तहत 23 से 25 सितम्बर को क्राईम व थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त टीम ने कमल विहार सेक्टर 4 चौक ऑक्सिजोन के पास से एमडीएमए ड्रग्स रैकेट के आरोपी शुभम सोनी, अभिषेक साहू, सोनू अग्रवाल और रायपुर में सप्लायर आर्यन ठाकरे को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के कब्जे से 4 पैकेट चरस, 98 नग एमडीएमए टैबलेट, 65 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स (कोकीन), 1 नग पिस्टल मय मैगजीन, 2 नग स्मार्ट मोबाइल फोन, 1 नग इलेक्ट्रोनिक तौल मशीन, 100 नग खाली कैप्सूल व 100 नग प्लास्टिक कैप्सूल कवर व नगदी जब्त की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों से भी एमडीएमए ड्रग्स सप्लाय चैन के संबंध में बारीकी से पूछताछ की गई।

इस दौरान गिरफ्तार आरोपी आर्यन ठाकरे ने बताया कि उसके द्वारा कसोल हिंमाचल प्रदेश स्थित होटल एप्पल पाई के संचालक अमनदीप सिंह छाबड़ा से एमडीएमए ड्रग्स खरीदकर रायपुर लाया और आरोपी अभिषेक साहू को दिया था। पूछताछ के बाद एमडी ड्रग्स के ट्रेल में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी संतोष सिंह के निर्देशन में 1 विशेष टीम को मनाली, कसोल हिमांचल प्रदेश रवाना किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा कसोल हिमांचल प्रदेश पहुंचकर लगातार कैम्प कर होटल संचालक आरोपी अमनदीप सिंह छाबड़ा को पकड़ा गया।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री भटगांव जल प्रदाय योजना की रखेंगे आधारशिला

उप मुख्यमंत्री अरुण साव कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर को सूरजपुर जिले के भटगांव नगर पंचायत के लिए जल प्रदाय योजना की आधारशिला रखेंगे। वे नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अमृत मिशन के अंतर्गत 13 राज्यों में स्वीकृत जल प्रदाय योजनाओं का वर्चुअल लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव बिलासपुर कलेक्टोरेट से सवेरे दस बजे कार्यक्रम से जुड़ेंगे। वे इसके तुरंत बाद कलेक्टोरेट परिसर में महात्मा गांधी की मूर्ति का अनावरण करेंगे। मिशन अमृत 2.0 के तहत भटगांव में जल प्रदाय योजना की स्वीकृति मिली है। 56 करोड़ 78 लाख रुपए लागत की इस योजना में महान नदी के गोंडा एनीकट में इंटेकवेल का निर्माण कर पेयजल भटगांव पहुंचाया जाएगा। एनीकट से रॉ-वॉटर पाइपलाइन के माध्यम से सतही जल को योजना के अंतर्गत प्रस्तावित जल शोधन संयंत्र में शुद्ध कर स्वच्छ पेयजल भटगांव शहर को उपलब्ध कराया जाएगा। वर्तमान में भटगांव शहर में प्रति व्यक्ति 49 लीटर जल प्रतिदिन उपलब्ध हो रहा है। भटगांव की इस नई जल प्रदाय योजना के शुरू होने के बाद वहां प्रति व्यक्ति 135 लीटर प्रतिदिन पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। भटगांव जल प्रदाय योजना के अंतर्गत दो एमएलडी क्षमता के जल शोधन सयंत्र, कुल 750 किलो लीटर क्षमता के तीन उच्च स्तरीय जलागार, 64 किलोमीटर की वितरण पाइपलाइन तथा कुल 3586 निजी नल कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। विगत अगस्त माह में इसके लिए कार्यादेश जारी किया जा चुका है। योजना का काम आगामी 24 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पवन देव बने पुलिस महानिदेशक ,मिली पदोन्नति

रायपुर। महानदी भवन के गलियारे से बड़ी खबर सामने आयी है। वरिष्ठ IPS अधिकारी पवन देव को पदोन्नति देते हुए पुलिसमहानिदेशक का रैंक प्रदान कर दिया गया है। गृह मंत्रालय से इस संबंध में आदेश संयुक्त सचिव अभिजीत सिंह के हस्ताक्षर से जारीकिया गया है। पदोन्नति दिनांक यानि 2 जुलाई 2024 से यह पदोन्नति देते हुए उनका वेतनमान बढ़ाया गया है। गौरतलब है कि पूर्व में चल रही जांच के चलते पवन देव की पदोन्नति रोकी गई थी और उनकी जांच से संबंधित लिफाफा बिना खोले हीरख दिया गया था। इस बीच तमाम विभागीय औपचारिकताएं पूरी की गई और उन्हें बैक डेट यानि पदोन्नति दिनांक से ही प्रमोशन देदिया गया। इस पदोन्नति के साथ ही प्रदेश में DGP का पद खाली होने पर पवन देव भी इस पद के प्रबल दावेदार हो जायेंगे।

साजा व्यवहार न्यायालय के लिए नई जगह की तलाश,डोंगीतराई में देखी गई है जमीन

भास्कर दूत

डोंगीतराई में चिन्हांकित की गई है जमीन लेकिन होने लगा है विरोध

पूर्वजों की निस्तारी और चरागन जमीन पर भवन नही बनने देने ग्रामीण हो रहे मुखर

साजा। पुराने स्थान पर व्यवस्थित व्यवहार न्यायालय अब साजा से 2 किलोमीटर दूर डोंगीतराई की ओर जाने वाला है,जी हां नगर के व्यापारियों के लिए ये खबर थोड़ा दुखी करने वाला जरूर हो सकता है क्युकी नगर व्यापार के लिए न्यायालय से जुड़े लोगों से बाजार में रौनकता रहती है,बरहाल खबर है कि नया व्यवहार न्यायालय भवन निर्माण को लेकर जिलाधीश बेमेतरा के आदेश पर प्रशासन ने शासकीय भूमि तलाशने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ।राजस्व विभाग को दिए गए निर्देश के तारतम्य में विगत माह पूर्व साजा में व्यवहार न्यायालय के निर्माण के लिए भूमि तलाशी जा रही है।

मुरम खदान को किया गया था चयन

पिछले वर्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा साजा नगर स्थित मुरम भाठा खदान को व्यवहार न्यायालय के लिए राजस्व विभाग द्वारा चिन्हाकित कर दिया गया था ।लोक निर्माण विभाग ने इस संबंध में निर्माण हेतु टेंडर की प्रक्रिया प्रारंभ की थी जिस पर अनेक ठेकेदारो ने निविदा की प्रक्रिया पूरी कर दी थी,लेकिन अकस्मात ही विधि से संबंधित अधिकारी के निरीक्षण के बाद प्रक्रिया में विराम लग गया था,जिसके पीछे कारणों में उक्त भूमि को तकनीकी कारणों से अनुपयोगी करार कर दिया गया था अब पुनः नए सिरे से नवीन न्यायालय के निर्माण हेतु भूमि तलाशी जा रही है,इस संबंध में खबर है कि साजा से 2 किलोमीटर दूर ग्राम डोंगीतराई में नवीन न्यायालय हेतु भूमि चिन्हाकित करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

पूर्वजों की जमीन पर नही होगा निर्माण,विरोध का स्वर हो रहा मुखर

बताया जाता है कि ग्राम डोंगीतराई में सड़क किनारे स्थित शमशान घाट के समीप लगभग 2 हेक्टेयर भूमि को व्यवहार न्यायालय के लिए चिन्हाकित किया गया है इसके लिए तहसील से इश्तहार की प्रक्रिया पूर्णतः की ओर है,इसी कड़ी में साजा तहसीलदार कार्यालय द्वारा तहसील परिसर में आम सूचना चस्पा कराया गया है,इस खबर की भनक लगते ही डोंगीतराई ग्राम के ग्रामीणों में विरोध के स्वर मुखर होने लगा है,ग्रामीणों का कहना है कि निस्तारी जमीन पर भवन नही बनने देंगे,इस विषय में लिखित में विरोध दर्ज कराने ग्रामीणों ने आवेदन तैयार कर लिया है।

चरागन जमीन पर नही बनने देंगे कोई भवन-ग्रामीणजन

लगभग पूरे गांव में ही विरोध होने लगा है ग्रामीण जन सैकड़ों की तादाद में तहसील कार्यालय में आकर इस बात पर आपत्ति दर्ज कराई है,ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम में आम निस्तार के लिए खासकर चरागन हेतु छोड़ी गई पूर्वजों की कृषि भूमि पर किसी प्रकार का निर्माण ना किया जाए,वही मौखिक आपत्ति यह भी की गई की,,कुछ लोगो का यह भी कहना है कि रसूखदार लोगो के द्वारा सैकड़ों एकड़ शासकीय भूमि पर बेजा कब्जा कर लिया गया है इन रसूखदार लोगो से शासकीय भूमि को मुक्त करवा कर उसी भूमि पर निर्माण क्यू नही किया जा रहा है।

समस्याएं होंगी खड़ी,पूरे गांव वाले है विरोध में

आम निस्तारी एवं चरागन भूमि को किसी भवन निर्माण के लिए उपयोग किए जाने से ग्रामीणों के समक्ष पशुधन चराई के साथ आम निस्तार में बाधा उत्पन्न होगी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अब डोंगितराई में शासकीय भूमि को नपाई करने और शासन अपने कब्जे में करने की मानसिकता बना रहा है ,इस संबंध में शासन द्वारा आर आई और पटवारी को जल्द ही दिशा निर्देश देने की जानकारी सामने आई है।

पूरे परिवार ने खाया जहर

महिला ने पहले अपने दो बच्चों को खिलाया, फिर खुद भी की जान देने की कोशिश, एक की मौत

भास्कर दूत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक परिवार ने सामूहिक आत्महत्या करने की कोशिश की। मां ने पहले अपने दो बच्चों को जहरीला पदार्थ खिलाया फिर खुद भी सेवन कर लिया। इसमें चार साल के एक मासूम की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के बुंदेली गांव में संगीता कश्यप अपने बच्चों के साथ रहती है। मंगलवार 1 अक्टूबर की सुबह पहले अपने चार वर्षीय बेटे शिवम कश्यप, सात वर्षीय बेटी शिवानी कश्यप को जहर खिलाया और फिर खुद भी खा लिया। सुबह गांव वालों को जब इसकी जानकारी हुई तो इसकी सूचना पुलिस को दी। तीनों को गंभीर स्थिती में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना के वक्त महिला का पति काम से बाहर गया हुआ था। पड़ोसियों से घटना की जानकारी मिलते ही वो तत्काल अपने घर पहुंचा था। घटना में बेटे शिवम की मौत हो गई। वहीं, महिला और उसकी बेटी की हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस जांच में परिवार विवाद में जहर खाने की बात सामने आई है। पुलिस घटना के संबंध में आस पड़ोस के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही महिला के पति से भी घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, महिला ने ऐसा आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुज़ुर्गों के दुख-दर्द को समझें और उन्हें उनकी सेवा का भरोसा दिलाएः मुख्यमंत्री

सियानजनों की सेवा से मिलता है पुण्य और आशीर्वादः मुख्यमंत्री

भास्कर दूत

वृद्धजनों की भावनाओं को समझते हुए उनकी सेवा में तत्पर है छत्तीसगढ़ सरकार

मुख्यमंत्री साय ने सूरजपुर जिले में 187 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सियानों का सम्मान

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज सूरजपुर जिला मुख्यालय में सियान सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिले के वृद्धजनों का शॉल, श्रीफ़ल से अभिनंदन कर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज वृद्धजनों के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि मैं सभी वृद्धजनों को प्रणाम करता हूँ और आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप वृद्धजनों की सेवा और सम्मान करें,उनके दु:ख दर्द को समझे और उन्हें अपने सेवाभाव से भरोसा दिलाए कि आप उनके साथ हैं। माता-पिता और वृद्धजनों की सेवा से आपको पुण्य और आशीर्वाद मिलेगा, खुशी मिलेगी और उनके आशीर्वाद से आप अपने मुकाम तक पहुँच पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी वर्ग के लिए योजनाएं संचालित कर रही है और योजनाओं का लाभ गरीब, मजदूरों, किसानों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 14 लाख से अधिक सियानो को छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके खाते में पेंशन की राशि दी जा रही है। वृद्धजनों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ ही उनके उपचार के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बजट में 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के लिए आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की है। इसी कड़ी में हमने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि सभी वृद्धजनों का आयुष्मान कार्ड बनाकर उन्हें नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हर बुजुर्गों की इच्छा होती है कि वह अपने जीवनकाल में एक बार तीर्थ यात्रा जाएं, उनकी भावनाओं और आस्था को ध्यान रखकर हमारी सरकार ने अयोध्या में रामलला के दर्शन की व्यवस्था की है। रेल, बस के माध्यम से अयोध्या जाने और आने के अलावा भोजन, ठहरने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना से माता कौशल्या की धरती छत्तीसगढ़ के लोग अपने भाँचा राम का दर्शन करने जा पा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किसानों का भरपूर ख्याल रखा है।

उनसे 3100 रुपए में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी और दो साल का बकाया बोनस की राशि भी प्रदान की है। हमारी सरकार द्वारा सरगुजा से लेकर बस्तर तक के तेंदूपत्ता श्रमिकों को लाभान्वित करने के लिए तेंदूपत्ता के प्रति मानक बोरा दर में वृद्धि कर 4000 से 5500 रुपए किया गया और 70 लाख से अधिक महिलाओं को आर्थिक लाभ पहुँचाने महतारी वंदन योजना लागू कर महीने में एक हजार की राशि महिलाओं के खाते भेजी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा अभी हमारी सरकार को महज नौ माह ही हुए हैं और प्रदेश के सभी वर्ग के लिए योजना बनाकर राज्य के विकास की दिशा में कार्य करते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं, आने वाले समय में यहां विकास की गति और बढ़ेगी। समारोह को सम्बोधित करते हुए जिले के प्रभारी एवं खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कहा कि हमारे घर में माता-पिता और वृद्धजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए। उनके सम्मान और आशीर्वाद से ही हम विकास की राह में आगे बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार वृद्धजनों के कल्याण के लिए योजनाएं संचालित कर रही है। उनके लिए पेंशन, आश्रम, उपचार, पीएम आवास, निशुल्क अनाज, तीर्थ यात्रा की व्यवस्था की गई है।

'शिक्षक ने अपने जन्म दिवस पर कराया नेवता भोज '

भास्कर दूत

साज़ा। ग्राम पंचायत खिसोरा विकासखंड बेरला के अंतर्गत संचालित शासकीय प्राथमिक शाला पारधी पारा खिसोरा एवं प्राथमिक शाला खिसोरा के बच्चों को शिक्षक हरिशंकर सिन्हा ने अपने जन्म दिवस पर नेवता भोज कराया इसके साथ ही बच्चों ने शिक्षक हरिशंकर सिन्हा का गुलाल लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर जन्म दिवस की बधाईया दी ।श्री सिंहा ने अपने जन्मदिन पर शासकीय प्राथमिक शाला पारधी पारा के 20 बच्चों को भोजन थाली वितरण भी किया इस कार्य के लिए उनके समस्त स्टाफ खिसोरा ने शिक्षक हरिशंकर सिन्हा की सराहना की ।इस कार्यक्रम पर शासकीय प्राथमिक शाला खिसोरा एवं शासकीय प्राथमिक शाला पारधी पारा खिसोरा के समस्त स्टाफ उपस्थित मौजूद रहे ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक- **दुष्यन्त दास** द्वारा 602, अशोका रत्न, ब्लॉक नं. 14, 6th फ्लोर शंकर नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एन्ड पब्लिशर्स, अनंत विहार कॉलोनी, दलदल सिवनी मार्ग , मोवा-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित । मो. 9406242401, (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र रायपुर न्यायालय होगा)। Email- bhaskardootraipur1@gmail.com